हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 56 : जौनपुर, मंगलवार 21 नवम्बर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

हूती विद्रोहियों ने किया हाईजैक जहाज

नई दिल्ली (एजेन्सी)। यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में जहाज को हाईजैक कर लिया है। क्रू मेंबर्स के साथ जहाज पर करीब 25 लोग सवार थे। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे ईरान की साजिश बताया है। बताया जा रहा है कि ये जहाज तुर्की से भारत जा रहा था और तभी इस ब्रिटिश कार्गो शिप को हाईजैक करने की घटना सामने आई है। हूती विद्रोहियों पर आरोप लगा है कि उन्होंने इस जहाज को लाल सागर से हाईजैक किया है। इजरायल ने इस घटना को अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए आतंकवाद का ईरानी कृत्य बताया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जहाज एक ब्रिटिश कंपनी के तहत पंजीकृत है और इसका आंशिक स्वामित्व एक इजरायली व्यवसायी के पास है। जहाज पर बहामन का ध्वज है और यह एक जापानी कंपनी को पट्टे पर दिया गया है। जब यह अरब प्रायद्वीप से होकर भारत की ओर बढ़ रहा था तो इसे रोक लिया गया।

एलजी और सीएम के बीच अब नया विवाद

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल के बीच अब एक नया विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल मुख्य सचिव के खिलाफ दिल्ली सरकार ने उपराज्यपाल को जो रिपोर्ट भेजी थी उस पर विचार करने से इंकार कर दिया गया है जिसको लेकर उपराज्यपाल कार्यालय और दिल्ली में सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी के बीच जुबानी जंग तेज हो गयी है। हम आपको बता दें कि दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सतर्कता मंत्री आतिशी की उस रिपोर्ट पर विचार करने से इंकार कर दिया है, जिसमें बामनोली भूमि अधिग्रहण मामले में मुख्य सचिव नरेश कुमार की ''प्रथम दृष्टया संलिप्तता'' का आरोप लगाया गया है। राज निवास के सूत्रों का कहना है कि रिपोर्ट पर विचार करने से यह कहते हुए इंकार कर दिया गया कि यह ''पूरी तरह से मंत्री के पूर्वाग्रह पर आधारित'' प्रतीत होती है।

चंद्रबाबू नायडू को हाई कोर्ट से मिली जमानत

नई दिल्ली (एजेन्सी)। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने सोमवार को कौशल विकास निगम मामले में विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू को नियमित जमानत दे दी। 31 अक्टूबर को, उच्च न्यायालय ने नायडू को चिकित्सा आधार पर चार सप्ताह की अंतरिम जमानत दी, जो अब हैदराबाद में इलाज की मांग कर रहे हैं। 73 वर्षीय नायडू को 20014 से 2019 तक तेलुगु देशम पार्टी के शासन के दौरान एपी कौशल विकास निगम में एक घोटाले में कथित संलिप्तता के लिए 9 सितंबर को आंध्र प्रदेश सीआईडी घ्ने गिरफ्तार किया था। सीआईडी घ्ने आरोप लगाया कि नायडू इस मामले में प्राथमिक आरोपी हैं, जिसमें कथित तौर पर 371 करोड़ रुपये की सरकारी धनराशि को मुखौटा कंपनियों को हस्तांतरित करना शामिल है। इस मामले में एफआईआर 9 दिसंबर, 2021 को दर्ज की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से जवाब मांगा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह की दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनकी गिरफ्तारी और रिमांड को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र और प्रवर्तन निदेशालय से जवाब मांगा। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और एसवीएन भट्टी की पीठ ने केंद्र और ईडी को नोटिस जारी किया और उन्हें 11 दिसंबर से पहले अपना जवाब देने को कहा। कथित घोटाले के सिलसिले में सिंह को ईडी ने 4 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। इस बीच, दिल्ली और उसके उपनगरों में हवा की गुणवत्ता रात भर में खराब हो गई, पिछले दिन मामूली सुधार हुआ था। पूर्वानुमानों से संकेत मिलता है कि आने वाले दिनों में बड़ी राहत की संभावना नहीं है।

एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक गलियारे बनाएगी योगी सरकार, सात हजार करोड़ होंगे खर्च स्थलों को किया चिन्हित

लखनऊ (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश में नए–नए एक्सप्रेसवे बनाकर न सिर्फ प्रदेश की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाया जा रहा है, बल्कि इन एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक केंद्रों की स्थापना करके इसे औद्योगिक गलियारे के रूप में विकसित करने पर भी काम किया जा रहा है। इस संबंध में सीएम योगी के निर्देश पर उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीडा) ने औद्योगिक केंद्रों के लिए स्थलों को चिह्नित कर लिया है। योजना के अनुसार यूपीडा प्रदेश में 5 एक्सप्रेसवेज के किनारे औद्योगिक केंद्रों की स्थापना करेगा। इनमें आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे एवं गंगा एक्सप्रेसवे शामिल हैं। इस पर योगी सरकार अनुमानित 7 हजार करोड़ से ज्यादा की राशि खर्च करेगी। यूपीडा ने एक उच्चस्तरीय बैठक में सीएम योगी के समक्ष इन पांचों एक्सप्रेसवेज के किनारे चिह्नित औद्योगिक गलियारों का विवरण प्रस्तुत किया। इसके अनुसार प्रदेश के कुल 12 जनपदों को जोड़ने वाले गंगा एक्सप्रेसवे पर 11 स्थलों को औद्योगिक गलियारे के लिए चुना गया है, जिसका कुल क्षेत्रफल 1522 हेक्टेयर है। इस पर करीब 2300 करोड़ के अनुमानित व्यय का अनुमान है। इसी तरह, 7 जनपदों को जोड़ने वाले बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के किनारे 6 स्थलों को चिह्नित किया गया है। इसका प्रस्तावित क्षेत्रफल 1884 हेक्टेयर है, जिस पर 1500 करोड़ से ज्यादा व्यय का अनुमान है। इसी तरह, आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे से जुड़े 10 जनपदों में 5 स्थलों का चयन किया गया है।

इसका कुल क्षेत्रफल 532 हेक्टेयर है, जिसके विकास पर करीब 650 करोड़ का व्यय अनुमानित है। वहीं 9 जनपदों को जोड़ने वाले पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर औद्योगिक गलियारे के लिए 5 स्थानों को चिह्नित किया गया है जिसका प्रस्तावित क्षेत्रफल 1586 हेक्टेयर है और अनुमानित व्यय 2300 करोड़ होने की संभावना है। पांचवां और अंतिम एक्सप्रेसवे गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे है। इसके 4 जनपदों में 2 स्थानों को औद्योगिक केंद्रों के लिए चुना गया है, जिसका कुल क्षेत्रफल 345 हेक्टेयर होगा और अनुमानित व्यय 320 करोड़ होने की संभावना है। कुल मिलाकर इन पांचों एक्सप्रेसवेज पर 30 स्थलों को चिह्नित किया गया है, जिसका कुल क्षेत्रफल 5800 हेक्टेयर से ज्यादा है। यूपीडा की ओर से चिह्नित सभी 30 स्थलों से जुड़े 108 ग्रामों को प्रदेश सरकार की ओर से अधिसूचित किया जा चुका है। वहीं भूमि क्रय के लिए संबंधित 6 जिलाधिकारियों को 200 करोड़ रुपए भी जारी किए जा चुके हैं। साथ ही भूमि क्रय के लिए बुंदेलखंड औद्योगिक प्राधिकरण की तर्ज पर 1500 करोड़ रुपए अवमुक्त किए जाने का आदेश भी निर्गत किया जा चुका है। जनपद स्तर पर भूमि क्रय के लिए दरों का निर्धारण फिलहाल प्रक्रिया में है।

इंफाल एयरपोर्ट के पास यूएफओ की खबर के बाद वायु सेना ने उतारे 2 राफेल विमान

नई दिल्ली (एजेन्सी)। मणिपुर में इम्फाल हवाई अड्डे के पास एक श्अज्ञात उड़ने वाली वस्तुश (यूएफओ) देखे जाने की जानकारी मिलने के बाद भारतीय वायु सेना ने दो राफेल लड़ाकू विमानों को आसमान में उतार दिया। हासीमारा एयर बेस से लॉन्च किए गए राफेल को कुछ भी पता नहीं चल सका। पहला विमान बेस पर लौट आया और दूसरे को फिर से जांच करने के लिए क्षेत्र की ओर तैनात किया गया, लेकिन कुछ भी पता नहीं चल सका। भारतीय वायु सेना की पूर्वी कमान ने कहा कि उसने अपने वायु रक्षा प्रतिक्रिया तंत्र को अलर्ट कर दिया है। आईएएफ ने इंफाल हवाई अड्डे से दृश्य इनपुट के आधार पर अपने वायु रक्षा प्रतिक्रिया तंत्र को सक्रिय किया। इसके बाद छोटी वस्तु नहीं देखी गई। बता दें कि मणिपुर के इंफाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दोपहर को एक अज्ञात उड़ती वस्तु (यूएफओ) दिखाई दी। इस अज्ञात वस्तु के आसमान में दिखतेही एयरपोर्ट अधिकारी हरकत में आ गए और उड़ानों को तत्काल रोक दिया गया। हवाई यातायात नियंत्रक उस समय सकते में आ गए जब उन्होंने मणिपुर के इम्फाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रनवे के करीब एक अज्ञात उड़ने वाली वस्तु (यूएफओ) देखी, जिसके कारण कई उड़ानों को अचानक डायवर्ट करना पड़ा और देरी हुई।

इम्फाल हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) को दोपहर 2.30 बजे केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) नियंत्रण कक्ष से एटीसी टॉवर के ठीक ऊपर एक अज्ञात उड़ने वाली वस्तु देखे जाने की सूचना मिली। सफेद रंग की वस्तु एटीसी टावर की छत से दिखाई दे रही थी ।

राहत बचाव कार्यों पर पीएम मोदी ने सीएम धामी से की बात

टनल के अंदर सिलक्यारा की तरफ से जिस जगह पर टनल का रास्ता मलबा गिरने से बंद हुआ था. इसी जगह ड्रिलिंग की जा रही है

नई दिल्ली (एजेन्सी)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में फंसे 41 मजदूरों को बचाने के प्रयासों को एक सप्ताह पूरा हो गया है और अधिकारी उन्हें बचाने के लिए रणनीति तैयार कर रहे हैं। इस बीच, मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से टेलीफोन पर बातचीत की और राहत एवं बचाव कार्यों के बारे में जानकारी ली। कार्यालय के बयान में कहा गया कि पीएम मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा आवश्यक बचाव उपकरण और संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। केंद्र और राज्य एजेंसियों के बीच आपसी समन्वय से श्रमिकों को सुरक्षित निकाला जाएगा। मनोबल बनाए रखने की जरूरत है। इंटरनेशनल टनलिंग अंडरग्राउंड स्पेस प्रोफेसर के अध्यक्ष, अर्नोल्ड डिक्स और भारी मशीनें सोमवार को सिल्क्यारा सुरंग में पहुंचीं, क्योंकि फंसे हुए पीड़ितों को बाहर निकालने के लिए बचाव अभियान चल रहा है। अर्नोल्ड डिक्स ने कहा कि हम उन लोगों को बाहर निकालने जा रहे हैं। यहां बहुत बढ़िया काम हो रहा है। हमारी पूरी टीम यहां है और हम इसका समाधान ढूंढेंगे और उन्हें बाहर निकालेंगे।श यहां बहुत काम हो रहा है। यह महत्वपूर्ण है कि न केवल बचाए गए लोग सुरक्षित रहें। पूरी दुनिया मदद कर रही है। यहां की टीम शानदार है। योजनाएं शानदार दिख रही हैं। काम बहुत व्यवस्थित है। भोजन और दवाएँ ठीक से उपलब्ध कराई जा रही हैं। सुरंग में फंसे मजदूरों तक खाना और पानी पहुंचाने के लिए अधिकारियों ने करीब 40 मीटर तक 6 इंच की पाइपलाइन बिछाई है। बचाव प्रयास रोक दिए गए क्योंकि एजेंसियां घ्अगले चरण की तैयारी कर रही थीं, जिसमें 41 लोगों तक पहुंचने के लिए विभिन्न तरीकों का उपयोग करना शामिल था। अधिकारियों ने दावा किया कि सुरंग में नीचे एक ऊर्ध्वाधर शाफ्ट बनाने के लिए पहाड़ी की चोटी तक एक सड़क एक ही दिन में बनाई गई थी। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में टनल हादसे में 41 जिन्दगियों को बचाने के लिए युद्ध स्तर पर काम जारी है. बीते दिनों सीएम पुष्कर सिंह धामी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने हादसे वाली जगह का दौरा किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिये. गडकरी ने निरीक्षण के बाद पत्रकारों से वार्ता के दौरान कहा कि अगर मशीनों का काम सही तरीके से जारी रहा तो 2 से ढाई दिनों के भीतर टनल में फंसे मजदूरों से रेस्क्यू टीम का संपर्क हो जाएगा. इसके साथ ही प्रधानमंत्री कार्यालय भी इस रेस्क्यू ऑपरेशन पर नजर बनाए हुए है.। इन सबके बीच रेस्क्यू टीम टनल पर 6 विकल्पों पर काम कर रहा है. आइए हम आपको उन विकल्पों के बारे में बताते हैं जिन पर काम चल रहा है। टनल के अंदर सिलक्यारा की तरफ से जिस जगह पर टनल का रास्ता मलबा गिरने से बंद हुआ था।

देश-दुनिया में धूमधाम के साथ संपन्न हुआ लोक आस्था का चार दिवसीय छठ महापर्व

नई दिल्ली (एजेन्सी)। सूर्य उपासना का पर्व छठ आज देश–दुनिया में बड़ी धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। न्यू यॉर्क से लेकर पटना तक, अयोध्या से लेकर काठमांडू तक, वाराणसी से लेकर लंदन तक, केरल से लेकर कोलकाता तक और मुंबई से लेकर सिडनी तक छठ व्रतियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। जहां तक बिहार की बात है तो आपको बता दें कि राज्य के सबसे लोकप्रिय त्योहार छठ के चौथे और अंतिम दिन सोमवार को व्रतियों ने राज्यभर में गंगा समेत अन्य नदियों और तालाबों के किनारे पानी में खड़े होकर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद पारण किया। इसी के साथ भगवान भास्कर की आराधना के प्रति समर्पित यह चार दिवसीय महापर्व संपन्न हो गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना के एक अणे मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर बनाए गए एक जल कुंड में परिवार के करीबी सदस्यों, जिन्होंने व्रत रखा था, के साथ उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया। नहाय–खाय के साथ शुक्रवार को शुरू हुए सूर्य उपासना के चार दिवसीय इस महापर्व के दूसरे दिन खरना के बाद व्रतियों का शुरू हुआ 36 घंटों का निर्जला उपावास रविवार की शाम अस्ताचलगामी और सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद पारण के साथ पूरा हो गया।

लंबित विधेयक मंजूर करने में देरी पर सुप्रीम कोर्ट का सवाल

तीन साल तक क्या करते रहे?, तमिलनाडु के राज्यपाल से सुप्रीम कोर्ट का सवाल, केरल के गवर्नर से भी मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेन्सी)। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि के खिलाफ अपनी कड़ी टिप्पणी में, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को जनवरी 2020 से उनके समक्ष लंबित विधेयकों को मंजूरी देने में देरी पर उन्हें फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल की निष्क्रियता चिंता का विषय है। तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा 10 बिल लौटाए जाने के कुछ दिनों बाद आया, जिसके बाद राज्य सरकार ने एक विशेष विधानसभा सत्र बुलाया और बिलों को फिर से अपनाया। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन–न्यायाधीशों की पीठ ने इस तथ्य पर नाराजगी व्यक्त की कि राज्यपाल ने पंजाब सरकार के मामले में 10 नवंबर के आदेश के बाद ही लंबित विधेयकों पर कार्रवाई की। कोर्ट ने कहा कि हमारी चिंता यह है कि हमारा आदेश 10 नवंबर को पारित किया गया था। ये बिल जनवरी 2020 से लंबित हैं। इसका मतलब है कि राज्यपाल ने अदालत के नोटिस जारी करने के बाद निर्णय लिया। राज्यपाल तीन साल तक क्या कर रहे थे? तमिलनाडु सरकार द्वारा पीठ को सूचित करने के बाद कि विधानसभा ने शनिवार को आयोजित एक विशेष सत्र में 10 विधेयकों को फिर से अपना लिया है, अदालत ने मामले को 1 दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दिया। राज्यपाल के समक्ष 15 विधेयक लंबित हैं, जिनमें विधानसभा द्वारा दोबारा पारित किए गए दस विधेयक भी शामिल हैं। इससे पहले, तमिलनाडु सरकार ने यह आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था कि राज्यपाल ने खुद को राज्य सरकार के लिए राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के रूप में पेश किया है।

विधेयकों को खारिज किए जाने के बाद, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को अपनी सुनक और सनक के कारण विधेयकों को रोकने के लिए राज्यपाल की आलोचना की। विशेष सत्र के दौरान एआईएडीएमके और बीजेपी समेत विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। उन्होंने पूछा कि जब सरकार पहले ही अदालत का दरवाजा खटखटा चुकी है तो विधेयकों को फिर से अपनाने के लिए विशेष सत्र क्यों आयोजित किया जा रहा है। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि की खिंचाई की. सुप्रीम कोर्ट ने राज्य के बिलों को मंजूरी देने में देरी के खिलाफ राज्य सरकार की याचिका पर सुनवाई फिर से शुरू की. सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि 'ये बिल 2020 से लंबित हैं, वह तीन साल से क्या कर रहे थे?' सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी तब सामने आई है, जब राज्य के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को राज्य विधानसभा में उन दस विधेयकों पर विचार करने के लिए एक विशेष प्रस्ताव पेश किया था, जो पहले सदन द्वारा पारित किए गए थे लेकिन राज्यपाल रवि द्वारा लौटा दिए गए थे.।

राज्य में सत्ता विरोधी माहौल नहीं, सीएम पर फैसला आलाकमान के हाथ में : गोविंद सिंह

सीकर (एजेन्सी)। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के बाद अब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी कहा है कि मुख्यमंत्री पद का फैसला विधायकों से राय ले कर चुनाव के बाद पार्टी आलाकमान करेगा जो सबको स्वीकार होगा। डोटासरा ने पीटीआई– को दिए गए साक्षात्कार में मुख्यमंत्री पद के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा हमारी पार्टी का पहले से एक स्पष्ट रुख है। हम पहले से कभी मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित नहीं करते। जो विधायक जीतेंगे, पार्टी आलाकमान उनसे राय लेकर फैसला करेगा जो सबको स्वीकार होगा। हम वह फैसला मानेंगे, पहले भी मानते आए हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ लोगों की नाराजगी नहीं है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का चेहरा कर्नाटक एवं हिमाचल प्रदेश के बाद राजस्थान में भी नाकाम होगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के करीबी माने जाने वाले डोटासरा ने गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच के मतभेदों से जुड़े सवाल पर कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख नेताओं के बीच कोई कभी मनभेद नहीं रहा है तथा सभी एकजुट होकर चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा हमारे बीच कभी मनभेद नहीं रहे। सभी एकजुट होकर चुनाव लड़ रहे हैं और इस चुनाव में हम जीतेंगे।

इंफाल एयरपोर्ट पर नजर आया (यूएफओ) ? 3 घंटे तक प्रभावित रही उड़ानें

अज्ञात वस्तु के आसमान में दिखतेही एयरपोर्ट अधिकारी हरकत में आ गए और उड़ानों को तत्काल रोक दिया गया

मणिपुर (एजेन्सी)। मणिपुर के इंफाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दोपहर को एक अज्ञात उड़ती वस्तु (यूएफओ) दिखाई दी। इस अज्ञात वस्तु के आसमान में दिखतेही एयरपोर्ट अधिकारी हरकत में आ गए और उड़ानों को तत्काल रोक दिया गया। हवाई यातायात नियंत्रक उस समय सकते में आ गए जब उन्होंने मणिपुर के इम्फाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रनवे के करीब एक अज्ञात उड़ने वाली वस्तु (यूएफओ) देखी, जिसके कारण कई उड़ानों को अचानक डायवर्ट करना पड़ा और देरी हुई। अधिकारियों द्वारा तुरंत नियंत्रित हवाई क्षेत्र बंद करने के बाद इंडिगो की कम से कम दो उड़ानों को डायवर्ट किया गया, जबकि तीन अन्य उड़ानों में तीन घंटे से अधिक की देरी हुई। अज्ञात वस्तु को इंफाल के बीर टेकेंद्रजीत अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के ऊपर मंडराते हुए देखा गया। इम्फाल हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) को दोपहर 2.30 बजे केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) नियंत्रण कक्ष से एटीसी टॉवर के ठीक ऊपर एक अज्ञात उड़ने वाली वस्तु देखे जाने की सूचना मिली। सफेद रंग की वस्तु एटीसी टावर की छत से दिखाई दे रही थी और एयरलाइन और सीआईएसएफ कर्मियों सहित जमीन पर मौजूद लोगों ने भी इसे देखा। अज्ञात वस्तु टर्मिनल बिल्डिंग के ऊपर से उड़ी, एटीसी टावर के ऊपर दक्षिण की ओर चली गई और कुछ समय तक वहीं स्थिर रही। फिर यह रनवे के दक्षिण–पश्चिम की ओर चला गया, जहां यह गायब होने से पहले शाम 4.05 बजे तक रहा। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने तुरंत मणिपुर की राजधानी इंफाल में नियंत्रित हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया और सभी उड़ान संचालन बंद कर दिया। हवाई क्षेत्र बंद होने से लगभग 1,000 यात्री प्रभावित हुए। जब अधिकारी यह समझने की कोशिश कर रहे थे कि क्या हो रहा है, कोलकाता से इम्फाल तक 173 यात्रियों को ले जा रही एक इंडिगो ।320 को एटीसी को सुरक्षा एजेंसियों से मंजूरी मिलने तक होल्डिंग पैटर्न बनाए रखने का निर्देश दिया गया था। दोपहर 3.03 बजे गुवाहाटी, असम के लिए पुनर्निर्देशित होने से पहले इंडिगो की उड़ान 25 मिनट तक होल्डिंग पैटर्न में थी। शाम 4.05 बजे, 183 यात्रियों के साथ दिल्ली से इम्फाल जाने वाली इंडिगो ।320 की एक और उड़ान को कोलकाता की ओर मोड़ दिया गया। इम्फाल हवाई अड्डे के निदेशक चिपेम्मी कीशिंग ने एक बयान में ड्रोन की मौजूदगी को स्वीकार किया।

हमास को हराने में फेल रहा इजरायल, ईरान के नेता खामनेई ने किया दावा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। इजराइल और फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के बीच युद्ध के 40 दिन पूरे होने पर, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने 19 नवंबर को सभी मुस्लिम–बहुल देशों से एक अपील जारी की, जिसमें उन्हें जायोनी राज्य के साथ राजनीतिक संबंध तोड़ने के लिए कहा गया।

खामेनेई ने 19 नवंबर को तेहरान में एक सैन्य प्रदर्शनी में भाग लेने के दौरान कहा कि इस्लामी सरकारों को कम से कम सीमित समय के लिए इजराइल से राजनीतिक संबंध खत्म कर देने चाहिए। खामेनेई ने उन इस्लामिक देशों की भी आलोचना की जो गाजा में उसकी सेनाओं द्वारा की गई कथित ज्यादतियों के लिए इजरायल की निंदा करने में विफल रहे हैं। सरकारी मीडिया ने खामेनेई के हवाले से कहा कि कुछ इस्लामी सरकारों ने विधानसभाओं में इजरायली अपराधों की निंदा की है जबकि कुछ ने नहीं। यह अस्वीकार्य है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, शीर्ष ईरानी नेता ने यह भी दोहराया कि इस्लामी सरकारों को इजराइल को अपने माल और ऊर्जा से काट देना चाहिए।

सम्पादकीय

जादुई एहसास है दूसरों की खुशियों में खुश होना

लोग कहते हैं कि प्यार अंधा होता है। लेकिन, प्रियजनों के प्रति प्यार अंधा नहीं, बल्कि सतर्क होता है। जब आप कमजोर महसूस कर रहे होते हैं, तो यह प्यार आपको महसूस करता है, आपकी प्रतीक्षा करता है, दिलासा देता है और माफ भी करता है। अर्थात् जो सदा लोगों की निंदा में तत्पर रहता है, वह मनुष्य के शरीररूप घर में रहने वाला भेड़िया है। वह सदा अशांत बना रहता है। मतवाले हाथी के समान चीत्कार करता है और अत्यंत भयंकर कुत्ते के समान काटने दौड़ता है। श्रेष्ठ पुरुष को चाहिए कि उसे सदा के लिए त्याग दें। जब मुझे एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी के नए ग्रेजुएट छात्रों के सामने बोलने को कहा गया, तो मैं काफी रोमांचित था। कॉलेज के छात्रों से बात करने वाला कोई भी व्यक्ति इससे अवगत होगा कि अवसाद, मानसिक समस्याओं और यहां तक कि आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्तियों के कारण आज युवा वयस्क होना कितना मुश्किल है। किसी भी स्नातक समारोह में दो भावनाएं दिखती हैं। स्नातक विद्यार्थियों के चमकते चेहरे कि उन्होंने मेहनत की और एक उपलब्धि हासिल की। दूसरी ओर, इन युवाओं के परिवार व दोस्त होते हैं, जो आनंद की एक अलग भावना में होते हैं। वे अपने बारे में नहीं सोच रहे होते। उनकी खुशी अपने प्रिय के चेहरे की खुशी, उसकी चमक, उसकी यात्रा की प्रगति और उसके संपूर्ण व्यक्तित्व को देखकर होती है। अपनी जीत पर खुश होना तो स्वाभाविक है। लेकिन दूसरे की उपलब्धियों पर आप तभी नाचते हैं, जब आपका दिल किसी से बंधा होता है। यह भावना वर्षों तक डायपर बदलने, गाड़ी चलाना सिखाने, रात में चिंता करने, रसोई में नाचने, आंगन में खेलने और साथ में बिताए गए अनगिनत पलों से आती है। लोग कहते हैं कि प्यार अंधा होता है। लेकिन, प्रियजनों के प्रति प्यार अंधा नहीं, बल्कि सतर्क होता है। जब आप कमजोर महसूस कर रहे होते हैं, तो यह प्यार आपको महसूस करता है, आपकी प्रतीक्षा करता है, दिलासा देता है और माफ भी करता है। इतालवी उपन्यासकार सेसारे पावेसे लिखते हैं, 'आपको प्यार किया जाएगा, लेकिन उस दिन जब सामने वाले द्वारा ताकत दिखाए बगैर आप अपनी कमजोरी दिखाएंगे।' सोशल मीडिया के बनावटी युग में बेवजह प्रदर्शन से बचते हुए भावनात्मक ईमानदारी रखना ज्यादा जरूरी है। मेरी एक मित्र कैथरीन बैली कॉक्स ने एक बार मुझे बताया कि जब उनकी पहली बेटी का जन्म हुआ, तो उसे एहसास हुआ कि वह उसे विकास की स्वाभाविक जरूरतों से कहीं ज्यादा प्यार करती है। मुझे कैथरीन का यह वाक्य बहुत पसंद आया, क्योंकि इसमें मानवीयता और संवेदनशीलता दोनों झलकती हैं। दरअसल, कुछ चीजें हम जीव विज्ञानी जरूरतों को पूरा करने के लिए करते हैं। कुछ चीजें हम दुकान या मकान का किराया चुकाने के लिए करते हैं। लेकिन ये सिर्फ भौतिक प्रेरणाएं हैं, जो उस भाव को नहीं बताती, जो हमारी आत्मा उस वक्त महसूस करती है, जब हम अपने किसी प्रियजन को कोई उपलब्धि पाते हुए देखते हैं। ऐसे क्षण जिंदगी में कम ही आते हैं, लेकिन किसी के साथ गहरे स्नेह के स्तर पर होने का यह एहसास जादुई है। वे अपने बारे में नहीं सोच रहे होते। उनकी खुशी अपने प्रिय के चेहरे की खुशी, उसकी चमक, उसकी यात्रा की प्रगति और उसके संपूर्ण व्यक्तित्व को देखकर होती है। अपनी जीत पर खुश होना तो स्वाभाविक है। लेकिन दूसरे की उपलब्धियों पर आप तभी नाचते हैं, जब आपका दिल किसी से बंधा होता है। यह भावना वर्षों तक डायपर बदलने, गाड़ी चलाना सिखाने, रात में चिंता करने, रसोई में नाचने, आंगन में खेलने और साथ में बिताए गए अनगिनत पलों से आती है। लोग कहते हैं कि प्यार अंधा होता है। लेकिन, प्रियजनों के प्रति प्यार अंधा नहीं, बल्कि सतर्क होता है। जब आप कमजोर महसूस कर रहे होते हैं, तो यह प्यार आपको महसूस करता है, आपकी प्रतीक्षा करता है, दिलासा देता है और माफ भी करता है। इतालवी उपन्यासकार सेसारे पावेसे लिखते हैं, 'आपको प्यार किया जाएगा, लेकिन उस दिन जब सामने वाले द्वारा ताकत दिखाए बगैर आप अपनी कमजोरी दिखाएंगे।' सोशल मीडिया के बनावटी युग में बेवजह प्रदर्शन से बचते हुए भावनात्मक ईमानदारी रखना ज्यादा जरूरी है।

किसी बड़े संघर्ष से कम नहीं था उन दिनों क्रिकेट वर्ल्ड कप को देखना

बैंक नोट प्रेस, देवास से रिटायर हुए जयंती प्रसाद आज भी याद करते हैं कि कैसे क्रिकेट वर्ल्ड कप 1983 के मैच वो अपने कम्युनिटी सेंटर में टेलीविजन पर देखा करते थे। वर्ष 1982 में भारत में एशियन गेम्स हुए थे और ब्लैक एंड व्हाइट के अलावा कलर टेलीविजन भी आ चुके थे। हालांकि, टेलीविजन की सुविधा बेहद सीमित लोगों तक थी। जयंती प्रसाद बताते हैं कि अधिकांश लोग रेडियो पर मैच की कमेंट्री सुनकर अपडेट्स लिया करते थे। उस समय क्रिकेट को लेकर फैन्स में वैसा ही जुनून होता था, जैसा इन दिनों है। क्रिकेट प्रेमी कहीं ना कहीं से मैच के हाल जानने के जुगाड़ ढूंढ लेते थे। दरअसल, 1975 और 1979 में क्रिकेट वर्ल्ड कप में भारत का प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा था, लेकिन क्रिकेट को लेकर देश में माहौल जरूर बन गया था। भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को 1983 की टीम से ज्यादा उम्मीद नहीं थी कि भारत कोई बड़ा करिश्मा करेगा, लेकिन मैचों पर उनकी नजर बनी रहती थी। उस दौर में बीबीसी मैचों का प्रसारण किया करता था और भारत में दूरदर्शन पर मैच देखे जाते थे। जयंती प्रसाद बताते हैं कि कपिल देव, सुनील गावस्कर, चेतन चौहान, महेंद्र अमरनाथ, मदनलाल जैसे खिलाड़ियों को लेकर लोगों में काफी क्रेज हुआ करता था। कप्तान कपिल देव को भारतीय क्रिकेट प्रेमी खेलते हुए देखना चाहते थे। 1983 के वर्ल्ड कप में सबसे धुरंधर टीमों में वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान की गिनती होती थी। भारत की स्थिति कुछ वैसी ही थी, जैसी इन दिनों बांग्लादेश और अफगानिस्तान की है। भारत टेस्ट प्लेइंग देश था और यहां तेजी से क्रिकेट बढ़ रहा था। डिफेंस अकाउंट्स सर्विस से रिटायर हुए अनिल शर्मा बताते हैं कि उनके घर पर ब्लैक एंड व्हाइट टीवी आ चुका था। वो, उनके बड़े भाई के अलावा मोहल्ले के कई लोग भी मैच देखने के लिए घर पर जमा हो जाते थे। उस दौर में ब्लैक एंड व्हाइट टीवी देखना भी किसी संघर्ष से कम नहीं था, क्योंकि ऊंचे–ऊंचे एंटीना लगे होते थे और बीच–बीच में एंटीना हिल गया तो मैच का प्रसारण कट जाता था। एक व्यक्ति एंटीना सही करने के लिए छत पर खड़ा रहता था। अनिल शर्मा याद करते हैं कि जिस दिन फाइनल मुकाबला था, उस दिन वो महू (मप्र) से दिल्ली आ रहे थे। स्कोर जानने को लेकर उनमें एक अजीब सी बेचौनी थी। काफी ढूंढने के बाद ट्रेन में एक व्यक्ति के पास रेडियो मिला था। जब उन्हें पता चला कि भारतीय टीम मात्र 183 पर आउट हो गई है तो उन्हें निराशा हुई थी, क्योंकि वेस्टइंडीज के आगे 183 का स्कोर कुछ भी नहीं था, लेकिन जैसे ही वेस्टइंडीज के विकेट गिरना शुरू हुए तो उन्हें भरोसा हो गया कि भारत कप जीत सकता है। दिल्ली पहुंचने से पहले ही भारत ने वर्ल्ड कप अपने नाम कर लिया था। अनिल शर्मा बताते हैं कि जो लोग उस दौर में क्रिकेट में रुचि रखते थे, वो मैच के स्कोर को लेकर बेचौन रहते थे, क्योंकि संसाधनों का अभाव था। चंद घरों में टेलीविजन थे। वहीं पूरे मोहल्ले के लोग जमा हो जाया करते थे। रेडियो से भी लोग चिपके रहते थे। कई बार तो भारत की जीत या हार का लंबे समय बाद ही पता चलता था। 1983 के वर्ल्ड कप के फाइनल की झलकियां बाद में दूरदर्शन ने दिखाईं तो उन्हें ही देखकर वो और उन जैसे क्रिकेट प्रेमी रोमांचित हो जाया करते थे। वर्ल्ड कप 1983 में भारत ग्रुप बी में था। ग्रुप बी में वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया भी थी। उस समय 60 ओवर का मैच होता था। भारत ने दो–दो मैच वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया से खेले थे। दोनों से एक–एक मुकाबला जीता था और एक–एक हारा था। जयंती प्रसाद याद करते हैं कि ग्रुप मैचों में भारत के प्रदर्शन से क्रिकेट प्रेमी खुश थे और जैसे–जैसे वर्ल्ड कप आगे बढ़ रहा था, क्रिकेट देखने और सुनने वालों की तादाद भी बढ़ती जा रही थी। उस दौरान रेडियो और टेलीविजन की बिक्री बढ़ना शुरू हो गई थी। अखबारों की प्रसार संख्या में भी बढ़ोतरी हुई थी। मेजबान इंग्लैंड के साथ भारत ने पहला सेमीफाइनल खेला था। सभी की धड़कनें बढ़ी हुई थीं, क्योंकि इंग्लैंड की टीम काफी मजबूत थी।

अखिलेश की चुनावी तैयारी देखकर उड़ सकती है भाजपा की नींद

पंद्रह सीटों को छोड़कर अखिलेश यादव ने गठबंधन की गुंजाइश तो छोड़ी है। अखिलेश के साथ विधानसभा चुनाव लड़ चुके सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के ओमप्रकाश राजभर अखिलेश का साथ छोड़ चुके हैं। जिस तरह बहन जी यानी मायावती ने जिस तरह 'एकला चलो रे' का राग अपना रखा है, उससे अखिलेश मान चुके हैं कि बहुजन समाज पार्टी से इस बार गठबंधन संभव नहीं है। पिछले लोकसभा चुनाव में दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन था। तब इसे 'बुआ–बबुआ' का गठबंधन माना जा रहा था। साल 2017 के विधानसभा चुनावों में अखिलेश यादव की पार्टी का कांग्रेस के साथ गठबंधन था, तब उस गठबंधन को राहुल गांधी के साथ के चलते 'यूपी के लड़के' कहा गया था। वैसे तो हर चुनाव में हर राजनीतिक दल के लिए गुंजाइश होती ही है। लेकिन यह भी नहीं भूलना चाहिए कि देश में अतीत में ये दोनों गठबंधन भारतीय जनता पार्टी के सामने काम नहीं आए। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ समाजवादी पार्टी का साफ गठबंधन नहीं था। लेकिन यह भी सच है कि समाजवादी पार्टी ने अमेठी और रायबरेली में अपने उम्मीदवार नहीं उतारे थे।

उमेश चतुर्वेदी

खेती–किसानी में सबसे ज्यादा विकास दर वाले मध्य प्रदेश में कांग्रेस की उपेक्षा से क्या समाजवादी पार्टी ने मान लिया है कि अगले आम चुनाव में उसे अकेले अपने दम पर ही उतरना होगा? अखिलेश यादव ने आगे बढ़कर अपने असर वाले उत्तर प्रदेश में जिस तरह आम चुनाव के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं, उसके संकेत तो यही हैं। चुनाव में जीत–हार बाद का मसला है, लेकिन अखिलेश की तैयारियों से साफ है कि अगर गठबंधन की थोड़ी गुंजाइश बनी भी तो उत्तर प्रदेश में गठबंधन उनकी ही शर्तों पर होगा। अखिलेश जिस तरह जुटे हुए हैं, उससे लगता है कि अगर गठबंधन नहीं भी होता तो भी समाजवादी पार्टी अपने अखिलेश को लेकर यह सोच इसलिए बन रही है, क्योंकि उन्होंने ऐलान कर दिया है कि समाजवादी पार्टी राज्य की 80 में से 65 सीटों पर खुद उतरेगी। पंद्रह सीटों को छोड़कर अखिलेश यादव ने गठबंधन की गुंजाइश तो छोड़ी है। अखिलेश के साथ विधानसभा चुनाव लड़ चुके सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के ओमप्रकाश राजभर अखिलेश का साथ छोड़ चुके हैं। जिस तरह बहन जी यानी मायावती ने जिस तरह 'एकला चलो रे' का राग अपना रखा है, उससे अखिलेश मान चुके हैं कि बहुजन समाज पार्टी से इस बार गठबंधन संभव नहीं है। पिछले लोकसभा चुनाव में दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन था। तब इसे 'बुआ–बबुआ' का गठबंधन माना जा रहा था। साल 2017 के विधानसभा चुनावों में अखिलेश यादव की पार्टी का कांग्रेस के साथ गठबंधन था, तब उस गठबंधन को राहुल गांधी के साथ के चलते 'यूपी के लड़के' कहा गया था। वैसे तो हर चुनाव में हर राजनीतिक दल के लिए गुंजाइश होती ही है। लेकिन यह भी नहीं भूलना चाहिए कि देश में अतीत में ये दोनों गठबंधन भारतीय जनता पार्टी के सामने काम नहीं आए। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ समाजवादी पार्टी का साफ गठबंधन नहीं था। लेकिन यह भी सच है कि समाजवादी पार्टी ने अमेठी और रायबरेली में अपने उम्मीदवार नहीं उतारे थे। लगता है कि पिछले दो विधानसभा चुनावों और लोकसभा चुनावों के अनुभव से अखिलेश सीखने की कोशिश कर रहे हैं। बेशक नीतीश कुमार और ममता बनर्जी की पहल पर अखिलेश ने विपक्षी इंडी गठबंधन में शामिल होने के लिए कदम बढ़ाया। लेकिन जिस तरह मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने उन्हें किनारे किया, उससे वे नाराज हैं। अखिलेश अपनी नाराजगी जाहिर करने से नहीं हिचकते। कमलनाथ के बयान के बाद जिस तरह अखिलेश ने तीखी प्रतिक्रिया जताई, उससे साफ है कि कांग्रेस को लेकर इस बार वे सहज नहीं हैं। लेकिन भारतीय जनता पार्टी को चुनौती देने के लिए वे कांग्रेस का साथ ले सकते हैं। लेकिन कांग्रेस का जैसा रवैया है, जिस तरह विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने गठबंधन में शामिल दलों को अनदेखा किया है, इसलिए वे कांग्रेस के साथ भी भरे मन से जा सकते हैं। क्योंकि अखिलेश नहीं चाहते कि चुनावों में विगत के दो लोकसभा चुनावों की तरह उनकी हालत हो। विपक्षी गठबंधन में ममता बनर्जी के बाद शायद अखिलेश ही ऐसे नेता हैं, जो पूरी शिद्दत के साथ अपनी चुनावी तैयारी में व्यस्त हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश में पीडीए के फॉर्मूले पर काम शुरू किया है। पी यानी पिछड़ा, डी यानी दलित और ए यानी अल्पसंख्यक। अखिलेश अपने कार्यकर्ताओं से इस ए के साथ आधी दुनिया यानी महिलाओं को भी जोड़ने की बात कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी का वोट बैंक एमवाई यानी मुस्लिम–यादव के गठजोड़ पर केंद्रित रहा है। अतीत में राज्य की गैर यादव पिछड़ी जातियों का भी उसे साथ मिलता रहा है। लेकिन भारतीय जनता पार्टी के उभार के बाद गैर यादव पिछड़ी जातियों का बड़ा हिस्सा उसके साथ आ गया है। कोइरी, निषाद, कान्दू, गोड़ं, नाई, खरवार, नोनिया, कुर्मी आदि जातियों का एक बड़ा हिस्सा अब भाजपा के साथ है। बहुजन समाज पार्टी की स्थिति खराब होने की एक बड़ी वजह उसके दलित वोट बैंक में पड़ी दरार है। अब दलितों में ज्यादातर जाटव वर्ग ही बहुजन समाज पार्टी के साथ हैं। डोम, बसफोर, धोबी, दुसाध या पासवान जैसी जातियों का रुझान पिछले कुछ चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के साथ दिखा है। अखिलेश की निगाह गैर जाटव दलित और गैर यादव पिछड़ी जातियों पर भी है। चूंकि राजभर और नोनिया जातियां साथ आती रही हैं और ओमप्रकाश राजभर अब भाजपा के साथ हैं, इसलिए इनमें सेंध लगाना अखिलेश के लिए आसान नहीं होगा। पिछले कुछ चुनावों में महिलाओं ने खुलकर भाजपा का साथ दिया है। तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और ओडिशा इसके अपवाद हैं। अब महिलाओं की चुनावी सोच अपने पतियों, बेटों, पिताओं या घर के अन्य पुरुष सदस्यों की सोच पर निर्भर नहीं रही। देर से ही सही, अखिलेश इसे समझते नजर आ रहे हैं। इसीलिए वे पीडीए के फॉर्मूले में महिलाओं को भी शामिल कर रहे हैं। अपने कार्यकर्ताओं को वे महिलाओं के बीच जाने को कह रहे हैं। वैसे भी उनके वोट बैंक के प्रमुख जातीय समूह के बारे में आम धारणा है कि वह आक्रामक होती है, इसलिए महिलाओं के बीच अखिलेश कितना लोकप्रिय हो पाएंगे, यह कहना मुश्किल है। अखिलेश को अब आभास हो गया है कि उनकी चुनौती बड़ी है। 2012 का विधानसभा चुनाव जीतने और कम उम्र में मुख्यमंत्री का पद पा लेने के बाद राजनीति की पथरीली चुनौतियों को वे उतनी गहराई से शायद नहीं समझ पाते थे, जितनी समझ उनके पिता मुलायम सिंह की थी। लेकिन लगातार चार चुनावों में पिछड़ने के बाद लगता है कि वे राजनीति को ठीक से समझने लगे हैं। इसीलिए वे अपनी तरह से राजनीति को धार दे रहे हैं। शायद यही वजह है कि वे अपने तरीके से अपनी राजनीति को आगे बढ़ा रहे हैं। चूंकि लगातार चार चुनावों और दो नगर निकाय चुनावों में समाजवादी पार्टी भाजपा के सामने लगातार पिछड़ती रही है। इस आधार पर माना जा सकता है कि अखिलेश के सामने चुनौती कम नहीं हुई है। लेकिन कम से कम वे राहुल गांधी की तुलना में कहीं ज्यादा गहरी कोशिश करते नजर आ रहे हैं। इस तथ्य को कांग्रेस भी समझ ही रही होगी। लेकिन उसके उत्तर प्रदेश अध्यक्ष शायद इसे नहीं समझते या फिर पार्टी को अपने दम पर आगे लाने का उन पर बढ़ा दबाव, वे अखिलेश को नाराज करने से खुद को रोक नहीं पाए। अजय राय का चिढ़ाऊ बयान और मध्य प्रदेश में राहुल की अनदेखी ने शायद अखिलेश के लिए एकला चलो रे की धुन पर उत्तर प्रदेश का चुनावी राग गाना मजबूरी भी है। अगर मजबूरी में ही वे शिद्दत से तैयारी करते नजर आ रहे हैं तो भारतीय जनता पार्टी को उनसे चौकस रहना होगा। उनकी रणनीतियों पर निगाह रखनी होगी। लेकिन कांग्रेस का जैसा रवैया है, जिस तरह विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने गठबंधन में शामिल दलों को अनदेखा किया है, इसलिए वे कांग्रेस के साथ भी भरे मन से जा सकते हैं। क्योंकि अखिलेश नहीं चाहते कि चुनावों में विगत के दो लोकसभा चुनावों की तरह उनकी हालत हो। विपक्षी गठबंधन में ममता बनर्जी के बाद शायद अखिलेश ही ऐसे नेता हैं, जो पूरी शिद्दत के साथ अपनी चुनावी तैयारी में व्यस्त हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश में पीडीए के फॉर्मूले पर काम शुरू किया है। पी यानी पिछड़ा, डी यानी दलित और ए यानी अल्पसंख्यक। अखिलेश अपने कार्यकर्ताओं से इस ए के साथ आधी दुनिया यानी महिलाओं को भी जोड़ने की बात कर रहे हैं।

समाजवादी पार्टी का वोट बैंक एमवाई यानी मुस्लिम–यादव के गठजोड़ पर केंद्रित रहा है। अतीत में राज्य की गैर यादव पिछड़ी जातियों का भी उसे साथ मिलता रहा है। लेकिन भारतीय जनता पार्टी के उभार के बाद गैर यादव पिछड़ी जातियों का बड़ा हिस्सा उसके साथ आ गया है। कोइरी, निषाद, कान्दू, गोड़ं, नाई, खरवार, नोनिया, कुर्मी आदि जातियों का एक बड़ा हिस्सा अब भाजपा के साथ है। बहुजन समाज पार्टी की स्थिति खराब होने की एक बड़ी वजह उसके दलित वोट बैंक में पड़ी दरार है। अब दलितों में ज्यादातर जाटव वर्ग ही बहुजन समाज पार्टी के साथ हैं। डोम, बसफोर, धोबी, दुसाध या पासवान जैसी जातियों का रुझान पिछले कुछ चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के साथ दिखा है। अखिलेश की निगाह गैर जाटव दलित और गैर यादव पिछड़ी जातियों पर भी है।

संकटमोचक व्यवस्था का अद्भुत प्रमाण रही एक राष्ट्र-शैली

बुजुर्गों ने यह रिपोर्ट पढ़ी, तो उसे किसी तिजोरी में छिपा दिया, ताकि युवा विचलित न हों। उन्होंने युवाओं से कह दिया कि सब ठीक–ठाक है। सर्वप्रथम उन्होंने गायों के लिए शेड बनाए, फिर बच्चों के लिए सुरक्षित स्थान और अंत में वयस्कों के लिए आवास। यहूदियों के किब्बुत्ज के पहले बीस वर्ष के अनुभव शुद्धिकरण जैसे थे, लेकिन सब कुछ सहकर भी उन्होंने स्वयं को बचा लिया और एक दिन उन्हें अनुभूति हो गई कि उनका यह सामाजिक–सांस्कृतिक प्रयोग सफल रहेगा। यहूदी लोग जमीन खरीदते रहे और किब्बुत्ज जीवन शैली को आगे बढ़ाते रहे। किब्बुत्ज का इतिहास वास्तव में इस्राइल राष्ट्र से भी पुराना है।

दहीवीर सिंह

इस्राइल में किसी किब्बुत्ज में रहने का अवसर मिले, तो विश्व के बारे में हमारा दृष्टिकोण ही बदल जाता है। हमारी अर्वाचीन दुनिया में यदि किब्बुत्ज जैसी रहन–सहन की अद्भुत और अविश्वसनीय–सी संस्कृति कहीं है, तो वह है इस्राइल। अगर सामाजिक नवाचार के कहीं दर्शन होते हैं, तो वह है इस्राइल का किब्बुक्ज। इस्राइल विश्व के स्वाभिमानी, स्वावलंबी और वीर राष्ट्रों में से एक है। हिब्रू संस्कृति की हैरान कर देने वाली प्रगति और इस्राइल के पुनरुत्थान की जड़ें किब्बुत्ज में हैं। किसी देश का सांस्कृतिक अनुभव उस देश के मानव जीवन के सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू को सीखना होता है। एक अद्भुत राष्ट्र–शैली का अनुभव कराने वाला किब्बुत्ज इस्राइल की मूल संस्कृति का भी प्रतिनिधि है। वर्ष 1948 में अस्तित्व में आने के बाद से जितने सामूहिक आक्रमण इस्राइल ने झेले, मानव इतिहास में अन्य किसी ने कदाचित ही झेले हों। किब्बुत्ज व्यवस्था ने ही अपने अस्तित्व के प्रारंभिक वर्षों की अवधि में इस्राइल को बचाया। इस्राइल की जनसंख्या के केवल 5 प्रतिशत ही किब्बुत्ज निवासी थे, लेकिन उन्होंने देश का 50 प्रतिशत से अधिक खाद्यान्न पैदा किया। किब्बुत्ज के एक अभिनव सामाजिक संगठन और उनके निर्माण के पीछे की कल्पना शक्ति ने यहूदी जीवन में अद्भुत क्षमताओं का विकास किया। यह लेखक लंबे समय तक उत्तरी इस्राइल के किब्बुत्ज मिजरा में रहा, जो एक बड़े आकार का किब्बुत्ज है, जिसकी स्थापना 1923 में यूरोपीय प्रवासियों द्वारा की गई थी। यह यिज्रेल घाटी क्षेत्रीय परिषद के 15 और इस्राइल के कुल 270 किब्बुक्जों में से एक है। किब्बुत्ज एक कृषि समुदाय है। इनमें से अधिकांश समाजवाद के सिद्धांतों पर संगठित और धार्मिक सिद्धांतों पर आधारित हैं। पारंपरिक लोगों से वे अलग हैं, जिनमे व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए कोई स्थान नहीं। सभी किब्बुत्ज सुंदर और ग्राम्य परिवेश में स्थित हैं। सभी किब्बुत्ज वासी एक ही डाइनिंग हॉल में खाना खाते हैं। किसी के घर में कोई रसोई नहीं होती। परिवारों के खेत बंटे नहीं होते। किसी का कोई निजी खर्च नहीं होता। शिक्षा हो, चिकित्सा हो, विदेश यात्रा करनी हो, सभी का सारा खर्च किब्बुत्ज उठाता है। किसी की निजी आय हो, वह भी किब्बुत्ज की संपत्ति हो जाती है। खेती से, बाह्य सेवाओं से, होटलों से तथा विशिष्ट उत्पादों के निर्यात से प्रत्येक किब्बुत्ज को भारी आय होती है, जिसका इस्राइल की सकल आय में महत्वपूर्ण योगदान होता है। आधुनिक विश्व में वे शांति, सुरक्षा, सौम्यता और सृजनशीलता के नखलिस्तान हैं। इस्राइल के अस्तित्व में आने से पूर्व 20वीं शताब्दी के प्रारभ में जब अमीर यहूदियों ने अरबों से भूमि खरीदी, तो सुनसान निर्जीव–सी पहाड़ियों के बीच यह क्षेत्र सांपों और बिच्छुओं से बुरी तरह पीड़ित था। चिकित्सा रिपोर्ट में यह भूमि मानव बस्तियों के लिए प्रतिकूल पाई गई। बुजुर्गों ने यह रिपोर्ट पढ़ी, तो उसे किसी तिजोरी में छिपा दिया, ताकि युवा विचलित न हों। उन्होंने युवाओं से कह दिया कि सब ठीक–ठाक है। सर्वप्रथम उन्होंने गायों के लिए शेड बनाए, फिर बच्चों के लिए सुरक्षित स्थान और अंत में वयस्कों के लिए आवास। यहूदियों के किब्बुत्ज के पहले बीस वर्ष के अनुभव शुद्धिकरण जैसे थे, लेकिन सब कुछ सहकर भी उन्होंने स्वयं को बचा लिया और एक दिन उन्हें अनुभूति हो गई कि उनका यह सामाजिक–सांस्कृतिक प्रयोग सफल रहेगा। यहूदी लोग जमीन खरीदते रहे और किब्बुत्ज जीवन शैली को आगे बढ़ाते रहे। किब्बुत्ज का इतिहास वास्तव में इस्राइल राष्ट्र से भी पुराना है। अपने ऐतिहासिक महत्व और अनूठी जीवन शैली से परे, किब्बुत्जों ने इस्राइल की पहचान और अनन्य विकास को आकार देने में विशिष्ट भूमिका निभाई है और देश की मजबूती में योगदान दिया है। कई किब्बुत्ज शुष्क क्षेत्रों में कृषि नवाचार में सबसे आगे रहे हैं। येरूशलम के पूर्व से लेकर मृत सागर (डेड सी) तक विस्तृत जुडियन डेजर्ट में कहीं–कहीं फसलों से लहराते खेत मिलेंगे, जिन्हें देखकर विश्वास ही नहीं होता कि ऐसी मरूभूमि में भी खेती हो सकती है। यह सब किब्बुत्ज के किसानों का पुरुषार्थ है! मरुभूमि को उपजाऊ खेतों में रूपांतरित करने की तकनीक, कला और साहस केवल इस्राइल के पास है। किब्बुक्जों की सामुदायिक जीवन शैली सामाजिक एकजुटता की मजबूत भावना को बढ़ावा देती है। सहयोग और साझेपन की भावना व्यापक इस्राइली समाज में व्याप्त है, जो विपरीत परिस्थितियों में देश की रक्षा और सामाजिक–आर्थिक–सांस्कृतिक विकास में योगदान देती है। संघर्ष के समय किब्बुत्ज एक मजबूत समाज के रूप में खड़े रहे हैं। युद्ध किब्बुत्ज मानसिकता का हिस्सा नहीं है। फिर भी, जब–जब अरब के साथ युद्ध छिड़ा, तो पाया गया कि इस्राइली सेना के जेट लड़ाकू पायलटों में से 25 प्रतिशत किब्बुत्ज वासी थे। इस्राइल की परिस्थितियों में एक जेट फाइटर का होना बहुत बड़ी बात है। इसके लिए उन सभी कौशलों की आवश्यकता होती है जो एक इंसान के पास होने अनिवार्य होते हैं–साहस, बुद्धिमत्ता, त्वरित सजगता, तप और पूर्ण समर्पण। इतनी बड़ी संख्या में जब जेट पायलट किब्बुत्जनिक होते हैं, तो किब्बुत्जों के लिए यह दिखाने का अवसर होता है कि वे शांतिप्रिय और विकासोन्मुखी होने के साथ युद्ध कलाओं में भी निपुण हैं। इस्राइल के किब्बुत्ज सांस्कृतिक गतिविधियों, कलाकारों, लेखकों और संगीतकारों के पोषण का केंद्र रहे हैं। उन्होंने इस्राइल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत में अद्वितीय योगदान दिया है। किब्बुत्ज के सदस्य प्रायः ऐसे काम करते हैं, जो उनके अद्वितीय समुदायों के लोकाचार और मूल्यों को दर्शाते हैं। किब्बुत्ज अपने सदस्यों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में सक्षम रहे हैं। इन सेवाओं ने उच्च मानक स्थापित किए हैं। इस्राइल के गौरवशाली इतिहास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ किब्बुत्जों को चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा है। इस्राइल का अच्छा मित्र होने पर भी अमेरिका समाजवादी मूल्यों पर आधारित किब्बुत्ज जीवन शैली के विरुद्ध रहा है। हालांकि उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण के दौर में सामाजिक–आर्थिक परिवर्तनों के कारण पारंपरिक– सामाजिक मॉडल का पुनर्मूल्यांकन हुआ है। इस्राइल के किब्बुत्जों ने बाजार–उन्मुख सुधारों का समावेश किया है, जिससे अधिक व्यक्तिगत आय, निजी संपत्ति स्वामित्व, और आर्थिक विविधीकरण के रास्ते खुले हैं। भले ही इस्राइल की आबादी में किब्बुत्जनिकों का अनुपात कम हो, उनका प्रभाव उस देश के सशक्तिकरण के रूप में विश्व को आज भी दिखाई पड़ रहा है।

बुजुर्गों ने यह रिपोर्ट पढ़ी, तो उसे किसी तिजोरी में छिपा दिया, ताकि युवा विचलित न हों। उन्होंने युवाओं से कह दिया कि सब ठीक–ठाक है। सर्वप्रथम उन्होंने गायों के लिए शेड बनाए, फिर बच्चों के लिए सुरक्षित स्थान और अंत में वयस्कों के लिए आवास।

गणेश ने इस तरह तोड़ा कुबेर का अहंकार

आशुतोष गर्ग

धन का देवता और लंका का राजा बनने के बाद कुबेर का वर्चस्व बहुत बढ़ गया था। ऐश्वर्य, घमंड का जनक है। कुबेर को अहंकार हो गया कि वह अपार धन–संपदा से किसी को भी संतुष्ट कर सकता है। एक बार वह कैलाश पहुंचा और शिव–पार्वती को आतिथ्य स्वीकार करने का निमंत्रण दे डाला। शिव–पार्वती समझ गए कि कुबेर वैभव का प्रदर्शन करना चाहता है। उन्होंने कहा, 'हमें कुछ आवश्यक कार्य हैय तुम चाहो तो हमारे पुत्र गणेश को अतिथि बना लो।' कुबेर सहमत हो गया। वह गणेश को साथ लेकर अपनी स्वर्ण–नगरी लंका पहुंचा। उसने गणेश को अनेक तरह की स्वर्ण–निर्मित अद्भुत वस्तुएं दिखाईं। स्वर्ण देख–देखकर गणेश ऊब गए। उन्हें भूख लगी। भूख लगने पर व्यक्ति को स्वर्ण नहीं, भोजन चाहिए! कुबेर ने गणेश के लिए आसन लगवा दिया। सेवक, गणेश के लिए थाल में भोजन ले आए। इधर सेवक ने गणेश के सामने भोजन से भरा थाल रखा, उधर गणपति ने थाल खाली कर दिया और कहा, 'इतने–से भोजन से क्या होगा? मुझे भूख लगी है। और भोजन लाओ! सेवक इस बार बड़े थाल में दोगुना भोजन लेकर लौटा। गणेश उसे खाकर सेवक की ओर देखने लगे। सेवक और भोजन लाया...और फिर बस, लाता ही चला गया! कुबेर ने गणेश को समझाया– 'वत्स, अधिक खाने से पेट खराब हो जाता है। तुम्हें और नहीं खाना चाहिए।' गणेश ने कटाक्ष किया– 'कहीं ऐसा तो नहीं कि धन के देवता के पास बालक को खिलाने के लिए पर्याप्त भोजन नहीं है?' अहंकार पर चोट पड़ी तो कुबेर ने कहा, 'कुबेर, पूरे संसार का पेट भर सकता है! खाओ...मैं भी देखता हूं, तुम कितना खा सकते हो! गणेश मुसकराए और खाने बैठ गए। कुबेर के सेवक भोजन पकाते–परोसते थक गए, लेकिन गणेश तृप्त नहीं हुए। सैकड़ों लोगों का भोजन गणेश अकेले चट कर गए। कुबेर का अन्न–भंडार खाली होने लगा तो उसे लगा कि दाल में कुछ काला है! उसने संकोचपूर्वक गणेश से पूछा, 'मेरा भंडार रिक्त हो चला है। अब क्या खिलाऊं? गणेश ने कुबेर के स्वर्णासन को देखकर कहा, 'भोजन नहीं है तो क्या? आपके पास स्वर्ण तो बहुत है! मैं जब से आया हूं, तब से आप मुझे स्वर्ण ही तो दिखा रहे हैं। अब मैं उसी से पेट भरूंगा।' गणेश ने कुबेर के सिंहासन का पाया चबा लिया। सिंहासन लड़खड़ाया और एक ओर लुढ़क गया। कुबेर ने हाथ जोड़ लिए। परंतु इतनी देर में गणेश ने और कई चीजें चबा डाली थीं। कुबेर के हाथ–पैर ठंडे पड़ गए। वह कैलाश भागा और शिव–पार्वती के सामने गिड़गिड़ाते हुए बोला, 'गणेश ने मेरा अन्न–भंडार खाली कर दिया है लेकिन उसकी भूख शांत नहीं हुई। अब वह महल की स्वर्ण–निर्मित अनमोल वस्तुएं चबा रहा है। मैं समझ चुका हूं कि आपने और गणेश ने मेरा अहंकार दूर करने के लिए यह लीला रची थी। मैं लज्जित हूं। तब पार्वती ने कुबेर को एक मुट्ठी चावल दिए और कहा, 'गणेश को अहंकार पसंद नहीं है। यह चावल विनम्रता से गणेश को परोस देना। उसकी भूख शांत हो जाएगी।' कुबेर चावल लेकर लंका पहुंचा। तब तक गणेश बहुत–सा और सामान खा चुके थे। उसने तुरंत चावल पकाए और आदर सहित गणेश को अर्पित कर दिए। चावल खाते ही गणेश ने जोर–से डकार ली और उठकर खड़े हो गए। 'वाह! अब तृप्ति हुई है! गणेश ने कहा, 'मेरा पेट भर गया, धनराज कुबेर। अब आप मुझे वापस मेरे माता–पिता के पास ले चलिए।' 'किंतु...मेरा सिंहासन...और अनमोल वस्तुएं...' कुबेर ने संकोच करते हुए कहा। 'हा! हा!!' गणेश ने ठहाका लगाया। 'इनकी चिंता मत कीजिए। वैसे भी मुझे अहंकार से बना भोजन पचता नहीं है!' यह सुनकर कुबेर पानी–पानी हो गया। कुबेर, बालक गणेश को कैलाश छोड़कर लौटा तो उसे सब सामान एवं अपना सिंहासन सही–सलामत मिल गया। और, साथ ही एक सबक भी!..कुबेर के सेवक भोजन पकाते–परोसते थक गए, लेकिन गणेश तृप्त नहीं हुए। सैकड़ों लोगों का भोजन गणेश अकेले चट कर गए। कुबेर का अन्न–भंडार खाली होने लगा तो उसे लगा कि दाल में कुछ काला है! उसने संकोचपूर्वक गणेश से पूछा, 'मेरा भंडार रिक्त हो चला है। अब क्या खिलाऊं? गणेश ने कुबेर के स्वर्णासन को देखकर कहा, 'भोजन नहीं है तो क्या? आपके पास स्वर्ण तो बहुत है! मैं जब से आया हूं, तब से आप मुझे स्वर्ण ही तो दिखा रहे हैं। अब मैं उसी से पेट भरूंगा।' गणेश ने कुबेर के सिंहासन का पाया चबा लिया। सिंहासन लड़खड़ाया और एक ओर लुढ़क गया। कुबेर ने हाथ जोड़ लिए। परंतु इतनी देर में गणेश ने और कई चीजें चबा डाली थीं।

मेदांता अस्पताल, लखनऊ, में वर्ल्ड न्यू बॉर्न वीक में एडवांस्ड एनआईसीयू एंबुलेंस और चाइल्ड डेवलपमेंट सेंटर का हुआ शुभारंभ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। वर्ल्ड न्यू बॉर्न वीक के अवसर पर, मेदांता अस्पताल, लखनऊ ने मंगलवार को दो नई सुविधाओं की शुरुआत हुई। इनमें से एक नियो नेटल इंटेंसिव केयर यूनिट (एनआईसीयू) एंबुलेंस, जो नवजात शिशुओं को आपात स्थिति में तत्काल और विशेष चिकित्सा देखभाल प्रदान करेगी। दूसरी सुविधा चाइल्ड डेवलपमेंट सेंटर है, जो नवजात शिशुओं के विकास और समग्र स्वास्थ्य की देखभाल करेगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मेदांता अस्पताल, लखनऊ के मेडिकल डायरेक्टर डॉ राकेश कपूर उपस्थित थे।

एनआईसीयू एंबुलेंस में नवजात शिशुओं के लिए आवश्यक सभी आधुनिक उपकरण और सुविधाएं हैं। यह एंबुलेंस नवजात शिशुओं को सुरक्षित और कुशलता से अस्पताल पहुंचा सकती है। चाइल्ड डेवलपमेंट सेंटर में नवजात शिशुओं के विकास और समग्र स्वास्थ्य की देखभाल के लिए एक्सपर्ट डॉक्टर्स और स्टाफ मौजूद रहेंगे।

इस अवसर पर बोलते हुए डॉक्टर राकेश कपूर मेडिकल डायरेक्टर मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ ने कहा, मैं न्योनेटलॉजी डिपार्टमेंट की टीम को पूर्वांचल में अपनी तरह की पहली एनआईसीयू ऑन व्हील्स और कॉम्प्रिहेंसिव चाइल्ड डेवलपमेंट सेंटर शुरू करने के लिए बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।ष

उन्होंने कहा ष्न्यू बॉर्न वीक नवजात शिशुओं की देखभाल के लिए जागरूकता के उद्देश्य से मनाया

जाता है। अगर हम देखें तो नियोनेटल पीरियड में जो न्यूबॉर्न बच्चा होता है वह उसके लिए सबसे क्रूशियल पीरियड होता है, इस दौरान बच्चे की ठीक से देख भाल न होने के चलते ही नियो नेटल डेथ्स होती हैं। इस दौरान इफेक्टिव नियोनेटल मॉनिटरिंग की आवश्यकता होती है और यह लेवल थ्री एनआईसीयू में ही उपलब्ध होती है। बच्चों को इमरजेंसी में कभी कभी ऐसे एनआईसीयू में शिफ्ट करना पड़ता है, जिसके लिए स्पेशल एंबुलेंस की आवश्यकता होती है। इन एंबुलेंस में एनआईसीयू के आवश्यक इक्विपमेंट्स और स्पेशली ट्रेंड स्टाफ होता है। आजकल कई बच्चे आईवीएफ के द्वारा भी पैदा होते हैं जिन्हें प्रेशियस बेबीज कहा जाता है। हालांकि ये भी नॉर्मल डिलीवरी पीरियड में पैदा होते हैं लेकिन कभी कभी ऐसे बच्चे भी प्री मेच्योर पैदा होते हैं तो उनकी भी गहन देखभाल के लिए एनआईसीयू की सुविधाएं आवश्यक हो जाती हैं। एसोसिएट डायरेक्टर, न्योनेटलॉजी डॉ. आकाश पंडिता ने बताया, नवजात शिशु एक महीने से कम उम्र के बच्चे होते हैं और नवजात काल जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। बच्चों में होने वाली अधिकांश मौतें नवजात काल के दौरान होती हैं। इसके अलावा, नवजात काल लंबे समय तक शारीरिक और मानसिक विकास का आधार तैयार करता है क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग विकास की स्थिति में होते हैं। बीमार और समय से पहले जन्म लेने वाले नवजात शिशुओं को विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है और उन्हें समय से सर्वोत्तम देखभाल के लिए तुरंत लेवल 3 एनआईसीयू में स्थानांतरित करने की आवश्यकता होती है। जिसके लिए डॉक्टरों की अनुभवी टीम, नर्सों के अलावा समर्पित और विशिष्ट उपकरणों और मशीनों की आवश्यकता होती है।

उन्होंने बताया कि मेदांता लखनऊ के न्योनेटलॉज डिपार्टमेंट ने बीमार और समय से पहले जन्म लेने वाले बच्चों को मेदांता के एक एडवांस्ड नियो नेटल इंटेंसिव केयर यूनिट–एनआईसीयू में शिफ्ट करने के लिए एक समर्पित एंबुलेंस शुरू की है। यह लखनऊ और पूर्वांचल में अपनी तरह की पहली एनआईसीयू ऑन व्हील्स – एनआईसीयू है।

उन्होंने बताया कि मेदांता ने विशेष रूप से सक्षम बच्चों के लिए एक चाइल्ड डेवलपमेंट सेंटर–सीडीसी भी शुरू किया है, जो बाल फिजियोथेरेपी, व्यावसायिक चिकित्सा, स्पीच थेरेपी, बाल न्यूरोलॉजी आदि सुविधाओं कर जरिए सीडीसी यह सुनिश्चित करेगा कि रिकवरी, देरी से विकास, ऑटिज्म, एडीएचडी से पीड़ित बच्चों को नियमित रूप से एक ही छत के नीचे सर्वश्रेष्ठ देखभाल मिले सके।

मेदांता लखनऊ सेंट्रल यूपी का प्रमुख हेल्थकेयर संस्थान है, जहां 970 बिस्तरों से सुसज्जित एक अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है। एक ही छत के नीचे अनुभवी और सुपर–स्पेशियलिटी व मल्टी–स्पेशियलिटी डॉक्टरों और मेडिकल सुविधाओं से लैस मेदांता लखनऊ, सर्वोत्तम विश्व–स्तरीय स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। मेदांता लखनऊ 24ध्7 आपातकालीन सेवाएं गंभीर परिस्थितियों में तत्काल सहायता प्रदान करती है। अस्पताल की उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता कार्डियक, स्ट्रोक और ट्रॉमा देखभाल के लिए विशेष इकाइयों से प्रमाणित होती है, जो यह सुनिश्चित करता है कि रोगियों को इन गंभीर स्थितियों के लिए शीर्ष–स्तरीय चिकित्सा और देखभाल प्राप्त हो।

पुलिस की पाठशाला मे सेनानायक डॉ0 मिश्र ने ड्रोन संबंधी नियम एवं कानून के बारे में दिया व्याख्यान

अयोध्या। 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी के बहुउद्देशीय हाल पिनाक मंडपम में वहिनीं के जवानों को सेनानायक डॉ0 राजीव नारायण मिश्र, आईपीएस द्वारा वर्तमान में सुरक्षा के प्रत्येक आयामों की सुदृढ़ता को बनाये रखने के साथ–साथ सुरक्षा की महत्ता एवं संवेदनशीलता के दृष्टिगत वर्तमान में ड्रोन के प्रयोग, ड्रोन टेक्नोलॉजी, एटीं–ड्रोन टेक्नोलॉजी, ड्रोन फॉरेंसिक तथा ड्रोन के संबंध में नियम एवं कानून के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई ।

डॉ मिश्र ने जवानों को बताया कि ड्रोन एक मानव रहित विमान है जो कि स्वतंत्र रुप से अथवा किसी जमीनी संचालक द्वारा रिमोट के माध्यम से संचालित किया जाता है एवं वायु में संचालित विमानों के तर्ज पर ही संचालित होता है। आज बढ़ते आधुनिकीकरण के दौर में ड्रोन तकनीकी विभिन्न क्षेत्रों में अलग–अलग कार्यों हेतु प्रयोग में लाया जा रहा है।ड्रोन का प्रयोग किसी विशेष क्षेत्र के मानचित्रण एवं उसके सर्वेक्षण, कृषि फसलों की निगरानी एवं उनमें दवाओ एवं कीटनाशकों का छिड़काव करने, आपातकाल के समय आपात स्थिति में खोजबीन एवं बचाव राहत कार्य हेतु उपयोग, शिकारियों की निगरानी, बॉर्डर क्षेत्र में घुसपैठ एवं आतंकवादी गतिविधियों की निगरानी करने के साथ–साथ मल्टीस्पेक्ट्रलध्थर्मलध् एनआईआर कैमरे, एरियल फोटोध् वीडियोग्राफी और लाइव स्ट्रीमिंग इवेंट आदि हेतु भी उपयोगी है।ड्रोन का उपयोग सुरक्षा के दृष्टिगत भीड़भाड़ वाले स्थान पर नजर बनाए रखने, किसी रैली अथवा भीड़ जमाव पर पैनी नजर रखने हेतु, बड़े एवं सुप्रसिद्ध तीर्थ स्थलों, मेलो आदि में अराजक तत्वों पर नजर रखने हेतु सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी भी सिद्ध हो रहा है। विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों जैसे राज्य पुलिस एवं केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ–साथ विभिन्न खुफिया एजेंसियों के लिए भी यह तकनीकी अत्यंत उपयोगी एवं महत्त्वपूर्ण सिद्ध हो रही है। डीजीसीए द्वारा विभिन्न प्रकार के ड्रोनों को पांच प्रकार – नैनो, माइक्रो, मिनी, लघु एवं बृहद् में वर्गीकृत किया है। ड्रोन का सकारात्मक पहलुओं से अनुप्रयोग जितना फायदेमंद है, गलत हाथों में पहुंचने पर इसका प्रयोग उतना ही नुकसानदायक या विध्वंसक भी हो सकता है।प्रजेंटेशन के माध्यम से ड्रोन तकनीकी के सकारात्मक पहलुओं व चुनौतियों पर प्रस्तुत, सेनानायक डॉ मिश्र का यह व्याख्यान, पीएसी कर्मियों की व्यावसायिक दक्षता बढ़ाने की दृष्टिकोण से अत्यंत उपयोगी एवं महत्वपूर्ण रहा।

बीएचयू में होगा जाणता राज महानाट्य का भव्य आयोजन: डा. सुबाष

नाट्य कला के माध्यम से अर्जित होने वाले पैसे से कैंसर पीड़ित मरीजों व परिजनों के लिये बनेगा माधव सेवा आश्रमरू डश्व तेज सिंह

छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित विश्व का सबसे बड़ा नाट्य मंचन श्जाणता राजाश 21 से 26 नवम्बर तक प्रतिदिन शाम 5:30 से 8:30 बजे तक काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के एम्फी थिएटर मैदान में होगा

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सरकार द्वारा आने वाले पीढ़ियों और नौजवानों को देश के बारे में जानकारी देने और उन तमाम शहीदों की वीरगाथाओं और देश को आजाद करने में अहम भूमिका निभाने वाले वीर सेनानियों की जो गाथा है किताबों से गायब हो गई है और उन्हें इसके बारे में जानकारी नहीं है उसको पुनः जीवित करने के उद्देश्य से उन वीरांगनाओं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और देश को गुलामी की जंजीरों से मुक्त करने वाले वीर योद्धाओं राजाओं के बारे में किताबों में पढ़ाया जा रहा है साथ ही साथ उसे जीवंत रूप से नाटक कलाकारों द्वारा भी जनता के बीच लाया जा रहा है। इसी कड़ी में सरकार द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज की जीवन गाथा को लोगों के सामने सजीव रूप में चित्रित किया जा रहा है। जिसके लिए तमाम तरह के प्रयास सरकार की विभिन्न अंगों द्वारा किए जा रहे हैं इसी कड़ी में 21 नवंबर से 26 नवंबर तक वाराणसी के एम्फी थिएटर मैदान में होगा।

छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित विश्व का सबसे बड़ा नाट्य मंचन श्जाणता राजाश आगामी 21 से 26 नवम्बर तक प्रतिदिन शाम 5रू30 से 8रू30 बजे तक काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के एम्फी थिएटर मैदान में होगा। उक्त कार्यक्रम सेवा भारती काशी प्रान्त द्वारा आयोजित है जिसमें सैकड़ों कलाकार हाथीकृघोड़ों के साथ सजीव नाट्य मंचन करेंगे। उक्त बातें डा. सुबाष सिंह जिला संघ संचालक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने आईएमन भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कही। साथ ही उन्होंने आगे कहा कि लोगों को अद्भुत अनुभव की प्राप्ति होगी। जौनपुर के लिये 26 नवम्बर दिन रविवार के नाट्य को देखने के लिये दिया गया है। इसके लिये ढेर सारे टिकट भी बिक चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह सजीव नाटक छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन चरित्र पर आधारित है जिसकी आज की पीढ़ी को जानने की जरूरत है। कथा का मुख्य अंश छत्रपति की युद्ध नीति, कुशल प्रशासन नीति व उनके जीवन के प्रमुख बातों पर प्रकाश डालने सम्बन्धित है। यह महानाट्य सभी भारतीय को अवश्य देखना व महाराज के जीवन (बुद्धिमान व दूरदर्शी राजा) के प्रेरणास्पद जीवन से सीखना चाहिये। उक्त कार्यक्रम को देखने के लिये 26 नवम्बर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित रहेंगे।

इसी क्रम में जाणता राजा कार्यक्रम के संयोजक डा. तेज सिंह ने कहा कि प्रतिदिन लगभग 8500 लोग इस अद्भुत सजीव नाट्य मंचन का आनंद ले सकेंगे। इस मंचन द्वारा जो भी धनराशि अर्जित होगी, उसका सदुपयोग बीएचयू कैन्सर हॉस्पिटल के सामने मरीजों के परिजनों के रहने एवं खाने–पीने की उचित व्यवस्था के लिये सेवा आश्रम का निर्माण किया जायेगा। ऐसे में सभी से अपील है कि नाट्य मंचन में सपरिवार सम्मिलित होकर इस पुनीत कार्य में अपना सहयोग अवश्य प्रदान करें। डा. सिंह ने बताया कि टिकट के मूल्य को विभिन्न श्रेणियों में रखा गया है। 200 (विद्यार्थियों के लिए) 500, 1000, 2500, 10000 के सामान्य टिकट उपलब्ध हैं। टिकट प्राप्ति का केन्द्र माधव सेवा आश्रम शिवापार एवं एसएस हास्पिटल लाइन बाजार है। सभी लोग अपनी सुविधानुसार टिकट को प्राप्त कर सकते हैं। 300 कलाकार पुणे से आयेंगे जो अपनी कला के प्रदर्शन से महाराज के जीवन पर आधारित प्रसंगों का सजीवतापूर्ण मंचन दिखायेंगे। यह आयोजन हाथी, घोड़े, तोप, हाथी पर सवार सैनिक और गीतों से सुसज्जित होगा। इससे आने वाली धनराशि सब खर्च से निकालकर शेष खर्च कैंसर मरीजों व उनके परिजन के लिए आवासीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए माधव सेवा आश्रम बनाकर दी जायेगी जिससे 5 सौ परेशान मरीज परिवार के लोग सड़कों पर न रहने व अव्यवस्थित जीवन से कष्ट न हो, रहने की सुविधाए दी जायेगी। यह पुण्य कार्य संघ के कार्यकर्ता के प्रयास से ही सम्भव है। इस अवसर पर अजीत जी विभाग प्रचारक, रजत जी जिला प्रचारक, मनोज जी विभाग कार्यवाह, विरेन्द्र जी सह विभाग कार्यवाह सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

मृत्युभोज का आयोजन समाज की गलत प्रथा : प्रोफेसर राकेश

मृतक के परिवार को खर्च के बोझ से बचाने की जरूरत

तेरही का बहिष्कार कर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । खुटहन के ओइना गांव के निवासी समाजसेवी मातादीन यादव का निधन हो गया था । जिनके निधन पर 13वें दिन तेराही का बहिष्कार लोगों ने कर दिया और श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर श्रद्धांजलि दी। जानकारी के अनुसार ओईना गांव निवासी समाज सेवी मातादीन का निधन विगत दो सप्ताह पूर्व हो गया था, जिसमें उनके शिक्षक पुत्र डॉ शेष कुमार यादव ने परिजनों से विचार विमर्श कर तय किया कि तेरही का आयोजन नहीं किया जाएगा । बल्कि स्वर्गीय मातादीन यादव के इच्छाओं को संज्ञान में लेते हुए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा ।जिसके क्रम में शिक्षकों व ग्रामीणों ने श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर श्रद्धांजलि दी। जिसमें मुख्य अतिथि प्रोफेसर राकेश कुमार यादव ने कहा कि 13वीं का सभी लोगों को बहिष्कार करना चाहिए क्योंकि उसमें खर्च ज्यादा पडते हैं लोगों को खर्च से बचने के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन करें । जिससे एक भारी भरकम खर्च बचा जा सके ।उधर परिवार पर गमों का का पहाड़ टूटा होता है ऊपर से मृत्युभोज पर खर्च करने में काफी तकलीफें उठानी पड़ती है इसे बचा जाना ही इस प्रथा का अंत करना होगा । इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य सुभाष चंद्र यादव ,आस्था फाउंडेशन के संस्थापक डॉ अरविंद कुमार यादव, डॉ शिव प्रसाद यादव ,डॉ संजय यादव, डॉ शिवशंकर, अजय कुमार एवं अन्य लोग मौजूद रहे। श्रद्धांजलि सभा का संचालन राम किशुन सिंह पीजी कॉलेज सिद्धिकपुर के प्रवक्ता शेष कुमार यादव ने किया।

श्रीराम का आदर्श जीवन चरित्र जन-जन को सही राह पर चलने की सीख देता है : नवनीत गुप्ता

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)। विचपुरिया नौसहारा गांव के रामलीला में भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक नवनीत गुप्ता ने कहा सदियों से मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की पापनाशिनी कथा भारतीय संस्कृति में रची बसी है। श्रीराम का आदर्श जीवन चरित्र जन–जन को सही राह पर चलने की सीख देता है।

उन्होंने कहा कि भगवान रामचंद्र मर्यादा पुरुषोत्तम हैं जिन्होंने एक बेटे के रूप में, एक पति के रूप में और एक राजा के रूप में पूरे देश में एक आदर्श रूप में उदाहरण पेश किया। उन्होंने कहा कि पट्टा अभिषेक के समय भगवान राम का जो मन था वही मन उस समय था जब उन्हें वनवास मिला। उन्होंने समाज के सामने एक आदर्श प्रस्तुत किया।

विचपुरिया नौसहारा गांव में रामलीला मैदान पर चल रही रामलीला में सीता की खोज, लंका दहन की लीला का मंचन किया गया। इस दौरान लोगो ने रावण की लंका दहन का मंचन भी देखा। उधर राक्षस राजा रावण ने हनुमान की पूंछ में आग लगाने का आदेश देते हैं तो हनुमान जी रावण की सोने की लंका को जलाकर उसका अहंकार तोड़ देते है। यह दृश्य देखकर रामलीला आयोजन स्थल पर मौजूद लोग हनुमान जी की और जय श्री राम के जयकारे लगाते हैं। हनुमान जी समुद्र पार कर अशोक वाटिका में मां सीता को भगवान श्रीराम द्वारा दी गई अंगूठी देते है। जिसको देखकर मां सीता की आंखे भर आती है। उन्होंने हनुमान को आशीर्वाद दिया। इस दौरान हनुमान ने अशोक वाटिका में पेड़ उखाड़ कर फेंक दिए। हनुमान और विभीषण के बीच संवाद भी होता है हनुमान की पूछ में रावण ने जब आग लगवा दी, तो उसके बाद हनुमान ने उसी पूछ से रावण की लंका में आग लगा दी। इस का मंचन किया गया।राक्षसों ने मां सीता को डराया। त्रिजटा ने कहा करो सीता की सेवा लंका दहन से पहले अशोक वाटिका में राक्षसी मां सीता को डरा कर कह रही थी कि आप रावण की रानी बन जाओ। इस दौरान त्रिजटा ने राक्षसी को समझाया कि उन्होंने एक सपना देखा है कि एक बानर अपनी पूछ से लगी आग से लंका को दहन कर रहा है। मैंने सुबह यह सपना देखा है। यह सपना सच होगा। इस दौरान मां सीता रोने लगती है ।इस दौरान हनुमान जी वृक्ष से भगवान राम के द्वारा दी गई अंगूठी को नीचे सीता के पास फेंक देते हैं। सीता अंगूठी देखकर अचंभित हो जाती हैं।

इस अवसर पर इस अवसर पर अंबरीष कुमार सक्सेना ने कहा कि अनुशासित जीवन से ही प्रगति पथ प्रशस्त किया जा सकता है मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम का जीवन संपूर्ण समाज के लिए प्रेरणा स्रोत है।

इस कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद के सभासद प्रतिनिधि रमाकांत मौर्य रचित गुप्ता पूर्व प्रधान मनोज सिंह, व्यवस्थापक रविंदर सिंह चौहान, नागेश्वर सिंह आकाश द्विवेदी डायरेक्टर अरुण कुमार सिंह, संस्थापक प्रताप दिवाकर, कोषाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह अध्यक्ष जितेंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह रमेश हेम सिंह मंगली कुशवाहा राजपाल कुशवाहा, सनत सिंह राम अवतार मुनेंद्र मुन्नू उर्फ नन्हे चौहान छोटे भैया चौहान सुधीर सिंह हरि सिंह हरिहर सिंह रणजीत सिंह दिनेश जगमोहन जीतू सहित अनेक ग्रामीणजन मौजूद रहे।

श्रद्धालु से हालचाल भी लेते नजर आए पुलिस कप्तान

अयोध्या।चौदह कोसी परिक्रमा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के साथ साथ पुलिस कप्तान राज करण नैय्यर परिक्रमा कर रहे लोगों से हालचाल भी लेते हुए दिखाई दे रहे थे।मंगलवार को दोपहर कोतवाली नगर क्षेत्र के नाका हनुमान गढ़ी के पास वे सुरक्षा व्यवस्था की हकीकत जानने के लिए पहुंचे ही थे,तभी उन्हें कुछ बुजुर्ग परिक्रमार्थी सड़क पर बैठे हुए दिखाई दिए।तो उन्होंने उनके स्वास्थ्य का हालचाल पूछा।वही उधर से गुजर रहे एक बाइक सवार को एक पुलिस कर्मी डांटते हुए दिखाई दे रहा था तो उन्होंने उक्त पुलिस कर्मियों को सभी राहगीरों व परिक्रमा कर रहे श्रद्धालुओं से शालीनता से पेश आने की हिदायत दी।

पहिले पहिले हम कईनी छठी मईया व्रत तोहार

लखनऊ (संवाददाता) । पहिले पहिले हम कईनी छठी मईया व्रत तोहार, करिह क्षमा छठी मईया भूल चुक गली हमार...। जोड़े जोड़े फलवा सुरुज देव घटवा वे तीवई चढ़ावेले हो. .. जैसे छठ गीतों के बीच चारों तरफ सजीं सुशोभिताएं। बीच–बीच में होती आतिशबाजी, ढोल की धुन पर थिरकते परिवार, लोक संस्कृति की पहचान कलाकारों से सजा मंच। कमर तक पानी में खड़ीं व्रती महिलाओं के चेहरे की चमक सोलह सिंगार, नाक से माथे तक भरा सिंदूर व निराजल व्रत के तप से मानो और निखर आई हो। लक्ष्मण मेला छठ घाट, झूलेलाल घाट, सांझिया व कुड़ियाघाट पर ऐसा ही नजारा था। वहीं घरों, अपार्टमेंट, कॉलोनी, मुहल्लों में भी कुछ ऐसा ही उल्लास रहा। शाम को सभी ने अस्ताचल सूर्य को अर्घ्य दिया व छठी माई की आराधना की।

सूर्यकिरण व सारंग दिखाएंगे करतब, डेयरडेविल्स जीतेंगे दिल

लखनऊ (संवाददाता) । सेना दिवस परेड का पहली बार लखनऊ में आयोजन हो रहा है जिसकी तैयारियां तेज कर दी गई हैं। आर्मी डे परेड के तहत सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम की ओर से हवा में जांबाजी के करतब दिखाए जाएंगे। इस शो में सारंग हेलीकॉप्टर भी करतब दिखाएंगे। इसके साथ ही डेयरडेविल की टीम भी लखनऊ आएगी और अपने करतबों से लखनऊवालों का दिल जीतेगी। 15 जनवरी को आर्मी डे मनाया जाता है। यह पहला मौका है, जब पहली बार लखनऊ में यह दिवस मनाया जाएगा। इसके लिए मध्य कमान मुख्य भूमिका निभा रहा है। आयोजन परेड छावनी स्थित 11 गोरखा राइफल्स रेजिमेंट परिसर में होगा, जिसमें सेना के अधिकारी व जवान शामिल होंगे। उसी दिन शाम को सूर्या खेल परिषद के मैदान में शौर्य संध्या होगी। इसमें रक्षामंत्री राजनाथ सिंह व प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शामिल होने की संभावना है। शाम को एक कॉम्बैट डिस्प्ले भी होगा, जहां भारतीय सेना की शक्ति विश्वभर को नजर आएगी। इसके अतिरिक्त आर्मी डे के तहत कई कार्यक्रम होंगे।

सुरक्षा को लेकर कमिश्नर, आईजी,डीएम, एसएसपी परिक्रमा क्षेत्र में रहे भ्रमणशील

अयोध्या। (डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) 20ध्21 नवंबर की रात से एटीएस,एसटीएफ के अलावा पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मियों की निगहबानी में लाखों की संख्या में श्रद्धालु चौदह कोसी परिक्रमा करते हुए नजर आ रहे थे।मजे की बात तो यह है कि पंचाग के मुताबिक चौदह कोसी परिक्रमा 20/21 नवंबर की देर रात 02.09 से शुरु होना था। परंतु भारी संख्या में परिक्रमार्थी उसी दिन तयशुदा मुहुर्त से पहले शाम नौ बजे से परिक्रमा प्रारंभ कर दिये।जिसके चलते परिक्रमा मार्ग में तैनात कई सुरक्षा कर्मियों को अपने अपने ड्यूटी पांइट पर पहुंचने में उफाफोह की स्थिति दिखाई दे रही थी। चौदह कोसी परिक्रमा मेले में किसी भी तरह की अराजक तत्वों द्वारा बाधा न उत्पन्न हो इसके लिए परिक्रमा मार्ग पर चप्पे–चप्पे पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे।जिस पर पुलिस कर्मियों की पैनी नजर रखी जा रही थी। परिक्रमा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की कमान खुद कमिश्नर गौरव दयाल, आईजी प्रवीण कुमार, जिलाधिकारी नितीश कुमार,एसएसपी राज करण नैय्यर के अलावा एसपी सिटी मधुबन सिंह, एसपी देहात अतुल कुमार सोनकर,सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह, एसपी यातायात आर के गौतम,सीओ यातायात प्रमोद यादव के साथ सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाल हुए थे।जो परिक्रमार्थियों के बीच खुद चल रहे थे।इस दौरान ये सभी अधिकारी परिक्रमा कर रहे श्रद्धालुओं को सुरक्षा के प्रति आश्वस्त कर रहे थे कि आप सभी आराम से परिक्रमा करें पुलिस आपके सहयोग मे तैनात हैं।बताते चलें कि सुरक्षा की दृष्टि से पूरे मेला क्षेत्र को सात जोन व 14 सेक्टर में बांटा गया है।14 कोसी परिक्रमा को सकुशल संपन्न करने के लिए सीआरपीएफ,आरएएफ, बाढ़ राहत दल, एसडीआरएफ, एसटीएफ, एटीएस सहित अन्य सुरक्षाकर्मी जगह–जगह पर तैनात दिखाई दे रहे थे। वहीं जगह–जगह पर बम निरोधक दस्ते, एंटी सोबोटाज,वाकर व स्टॉपर दस्ते के साथ–साथ अन्य जनपदों से भी विभिन्न दस्ते व खुफिया कर्मियों क्यों ड्यूटी परिक्रमा मेले में लगाई गई थी।सीसीटीवी कैमरे व सोशल मीडिया निगरानी सेल को भी सक्रिय कर उस पैनी नजर पुलिस कर्मियों की बनी रही। बताते चलें कि 14 कोसी परिक्रमा 20 व 21 नवंबर की रात्रि 2:09 से प्रारंभ होकर 21 नवंबर की रात्रि 11:38 तक चलेगी।वहीं पंचकोसी परिक्रमा 22 नवंबर को रात 9:25 से 23 नवंबर की शाम 7:21 तक होगी। कार्तिक पूर्णिमा स्नान 26 नवंबर को दोपहर 3:11 से शुरू होकर 27 नवंबर की दोपहर 2:36 पर समाप्त होगी।

विश्व कप क्रिकेट प्रतियोगिता का अद्भुत समापन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। खेल शिक्षक आलोक द्विवेदी ने कहा कि विश्व कप क्रिकेट प्रतियोगिता जो कि भारत देश में संपन्न हुई यह प्रतियोगिता अपने में अनूठी प्रतियोगिता के रूप में जानी जाएगी इस प्रतियोगिता में अफगानिस्तान, बांग्लादेश तथा नीदरलैंड की टीम ने अपने अद्भुत प्रदर्शन से इंग्लैंड श्रीलंका तथा पाकिस्तान के खेल को प्रभावित किया।

इस प्रतियोगिता में भारतीय टीम पूरी प्रतियोगिता में अद्भुत प्रदर्शन कर करीब एक मिलियन दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रही परंतु फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया ने उसे छह विकेट से हराकर विजेता बनने का सौभाग्य प्राप्त किया प्रतियोगिता के फाइनल तक पहुंचाने के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम को संघर्ष का सामना करना पड़ा।

भारतीय टीम के धाकड़ बल्लेबाज विराट कोहली रोहित शर्मा श्रेयस अय्यर तथा शुभम गिलकी अद्भुत प्रदर्शन से तथा गेंदबाज मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, सिराज तथा ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा की जबरदस्त प्रदर्शन सभी खेल प्रेमियों का ध्यान आकर्षित किया।

मोहम्मद शमी ने पूरे प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा विकेट लिया तथा विराट कोहली ने सबसे ज्यादा रन बनाएं।

विश्व कप क्रिकेट के दौरान लोगों के जुनून का परिचय अहमदाबाद फाइनल मैच में भी देखने को मिला एक–एक रन पर बजती तालियां टीम के लिए औषधि का काम कर रही थी।

यह विश्व कप लंबे समय तक याद रखा जाएगा फाइनल मैच में वायु सेवा के विमान ने सलामी दी तथा पहली बार संगीत नृत्य का भी रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

फाइनल मैच भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा आस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्लेस ने साथ बैठकर देखा ।

वही इस प्रतियोगिता में भारतीय क्रिकेट संघ को जबरदस्त आर्थिक लाभ हुआ।

पिछले दिनों भारतीय क्रिकेट टीम ने एशिया कप विजेता बनने का गौरव हासिल किया भारतीय क्रिकेट टीम की जबरदस्त प्रदर्शन को आखिरकार विश्व कप क्रिकेट प्रतियोगिता में ऑस्ट्रेलिया ने रोककर छठी बार विश्व कप विजेता बना।

यह विश्व कप क्रिकेट प्रतियोगिता अपने में अनूठी प्रतियोगिता के रूप में लंबे समय तक याद की जाएगी।

पुलिस मुठभेड़ में सर्राफा व्यवसाई लूट कांड का आरोपी गिरफ्तार ,दो फरार

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर मछली शहर कोतवाली थाना अंतर्गत मंगलवार देर रात मछली शहर मुंगराबादशाहपुर व पवारा की संयुक्त पुलिस टीम के साथ हुई मुठभेड़ में 15 नवंबर को सर्राफा व्यापारी से हुई लूट की घटना में शामिल शातिर अभियुक्त गिरफ्तार किया गया है।इसके कब्जे से तमन्चा कारतूस, लूट की नकदी, ज्वेलरी व घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद किया गया है। जबकि मौके से दो बदमाश फरार हो गए हैं पुलिस उनकी भी तलाश कर रही है घायल बदमाश प्रतापगढ़ का निवासी है जिसके ऊपर लगभग एक दर्जन से अधिक मुकदमे विभिन्न थाना क्षेत्र में दर्ज है। संबंध में बुधवार को जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अजय पाल शर्मा की निर्देश पर अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थानाध्यक्ष मछलीशहर पवारा व मुगराबादशाहपुर द्वारा संदिग्धों की चेकिंग की जा रही थी, दौरान चेकिंग अचानक एक पल्सर सवार तीन व्यक्ति खाखोपुर की तरफ से आते हुए दिखाई दिये पुलिस को देखकर मुड़कर भागने लगे, जिसपर पुलिस द्वारा उनका पीछा किये इस पर बदमाशों द्वारा फायरिंग की गई थानाध्यक्ष मछलीशहर की बुलेट प्रूफ जैकेट पर बायें सीने की तरफ लगा। पुलिस द्वारा किए गए फायरिंग में एक बदमाश के बाएं पैर में गोली लगी है जबकि दो बदमाश अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गए हैं।घायल अभियुक्त सचिन चौहान पुत्र विजय बहादुर चौहान ग्राम मरगुपूर थाना आसपुर देवसरा जिला प्रतापगढ़ के कब्जे से एक तमन्चा 315 बोर कारतूस आदि बरामद हुआ तथा सर्राफा व्यापारी अशोक सोनी को गोली मारकर लूटी गये पैसों में से 8750 रुपये व एक चेन सहित अन्य सामान बरामद किया गया है। जबकि मुंगरा बादशाहपुर में हुई लूट के 1100 रुपये बराबर हुआ है तथा घटना में प्रयुक्त पल्सर मोटरसाइकिल बरामद हुई। अभियुक्त इलाज हेतु तत्काल सीएचसी मछलीशहर भिजवाया गया, जहाँ से जिला अस्पताल से ट्रामा सेंटर रिफर किया गया है।उक्त घटना के आधार पर अभियुक्तगण सचिन चौहान पुत्र विजय बहादुर चौहान ग्राम मरगुपूर थाना आसपुर देवसरा जिला प्रतापगढ़ पर अभियोग पंजीकृत किया गया ।फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए टीम में बनाकर तलाश जारी है। घायल बदमाश का लंबा आपराधिक इतिहास है जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्र में इसके ऊपर लगभग एक दर्जन से अधिक मुकदमे विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत है।गिरफ्तार अभियुक्त सचिन चौहान पुत्र विजय बहादुर चौहान ग्राम मरगुपूर थाना आसपुर देवसरा जिला प्रतापगढ़ जबकि फरार अभियुक्तों में अनिल कुमार रैदास पुत्र फूलचन्द्र निवासी मुरादपुर कोठिला थाना बदलापुर जनपद जौनपुर व राजेश हरिजन पुत्र चौथीराम निवासी बरईया थाना सिंगरामऊ जनपद जौनपुर शामिल है।

आज है आनंदी बा का 82 वा जन्मदिन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विनोबा विचार प्रवाह के सूत्रधार रमेश भइया ने कहा कि उत्तरप्रदेश की माननीय राज्यपाल हम सबके लिए मातृतुल्य स्नेह देने वाली आदरणीय आनंदीबेन पटेल का आज 82 वा जन्मदिन है। उनका जन्म 21 नवंबर 1941 को गुजरात में हुआ था। प्रख्यात शिक्षाविद, कुशल राजनीतिक सफर करने वाली गुजरात की पहली महिला मुख्यमंत्री के रूप में सेवाएं देने के बाद पहले मध्यप्रदेश,छत्तीसगढ़ की माननीय राज्यपाल होने के साथ साथ 29 जुलाई 2019 को उत्तरप्रदेश जैसे विशाल राज्य की प्रथम महिला राज्यपाल के रूप में शपथ ग्रहण की। उत्तरप्रदेश का कोई ही जनपद शायद उनके प्रत्यक्ष स्पर्श से वंचित रह गया हो वरना उनका प्रयास हर जनपद के उच्च शिक्षण संस्थान, सामाजिक संस्थाएं, स्वयं सहायता समूह ,आंगनबाड़ी, ग्रामीण कुटीर उद्योग , मालिन बस्तियां, अनेक प्रकार के सेवा क्षेत्रों को अवश्य देखा है। महात्मा गांधी के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी आचार्य विनोबा भावे के कार्यों को यथार्थ में परिणित करने में वर्ष 1980 से जुटी लघु संस्था विनोबा सेवा आश्रम को उसके स्थापना दिवस पर और गत वर्ष गांधी जयंती के पावन दिन पर आशीर्वाद देने विनोबा सेवा आश्रम बरतारा और जय प्रभा कुटीर छीतेपुर जैसे गांवों में पधारी थीं। गत वर्ष 81 वा जन्मदिन माननीय राज्यपाल महोदय ने पीलीभीत में मटैया लालपुर गांव की सब्जी उत्पादक किसान महिलाओं के साथ मनाया था। जहां विनोबा सेवा आश्रम ने 2000 महिलाओं के साथ जैविक सब्जी उत्पादन का।कार्य शुरू किया था। उन सभी महिलाओं जो एक विशेष प्रकार के।परिधान से सुसज्जित थी। और अपने रीति रिवाज से शंख ध्वनि के साथ जन्मदिन की खुशियां मनाई थीं।

सनातन धर्म परिषद एवं गोस्वामी तुलसीदास ननिहाल न्यास के तत्वावधान में अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

बहराइच। तुलसी ननिहाल हुलसीध्ाम भिलौराबासू में अन्नकूट सनातन धर्म परिषद एवं गोस्वामी तुलसीदास ननिहाल न्यास के तत्वावधान में अन्नकूट का आयोजन किया गया। परंपरागत आयोजन गोस्वामी तुलसीदास के ननिहाल भिलौरा बासू विकासखंड फखरपुर तहसील कैसरगंज जनपद बहराइच में अपराह्न 2रू00 बजे मनाया गया। इस अवसर पर बनवारी लाल कौशल प्रधान, विद्यानंद जायसवाल, मदनलाल कौशल, मनोज कौशल मंसाराम कौशल, डिप्टी पांडेय, त्रिवेणी प्रसाद जायसवाल, भगतराम साहू, संगम लाल लोधी, मदन लाल चोपड़ा, शिवकुमार चोपड़ा, राम शंकर, पवन कुमार, अनिल कौशल, मस्तराम साहू आदि महानुभावों ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के पश्चात गोस्वामी तुलसीदास की मूर्ति की स्थापना तथा मासिक भंडारे के आयोजन पर भी चर्चा किया गया। डॉ. स्वामी भगवदाचार्य अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष ने अध्यक्षता की।

डीएफओ आरके त्रिपाठी के दिशा निर्देश पर कादीपुर रेंज में उड़नदस्दा ने की बडी कार्यवाई

सुलतानपुर। डीएफओ आरके त्रपाठी के निर्देश पर वन विभाग उड़नदस्ता टीम ने कादीपुर रेंज के कई वन माफियाओं पर ताबडतोड़ कार्यवाही करते हुए धर दबोचा।मौके पर उड़नदस्ता टीम ने भारी मात्रा में अवैध लकडियां व वन माफियाओं को गिरफ्त में लेते हुए वन अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए भारी जुर्माना करते हुए पकडी गई लकडी व ट्रैक्टर ट्राली भी जब्त कर ली।सूत्रों की माने तो कादीपुर रेंज में लगातार अवैध कटान की शिकायत मिल रही थी,जिसका संज्ञान डीएफओ आरके त्रिपाठी ने गंभीरता से लेते हुए उड़नदस्ता टीम को कार्यवाई के लिए निर्देशित किया,सोमवार को प्रातः ही टीम कादीपुर रेंज पहुंचकर टोह लेती रही,सूचना सही मिलने पर टीम ने ताबड़तोड़ छापे की कार्वाही करते हुए कईयों को धर दबोचा,वन माफियाओं ने तमाम जुगाड़ लगाए,परंतु एक भी काम ना आने के बाद आखिर में विभाग के शरणागत हो गए।वन विभाग ने भारी जुर्माना वसूलने के बाद चेतावनी देते हुए पकडे गए वन माफियाओं को छोड़ तो दिया,परंतु भविष्य में दोबारा संलिप्ता पाए जाने पर बडी कार्यवाही करने की बात कही।देखना होगा सोमवार को हुई कार्यवाही का असर कितना होता है।बहरहाल ऐसी कार्यवाही सभी रेंज में होती रहें तो हरियाली उजाड़ने वाले वन माफियाओं के तेवर कम जरूर होगें।

नाका हनुमान गढ़ी के सामने मार्ग बनी परिक्रमार्थियों के लिए आराम करने की जगह

अयोध्या। मंगलवार को भारी संख्या में चौदह कोसी परिक्रमा कर रहे बूढ़े, युवा, महिलाओं की भीड़ शहर के नाका हनुमान गढ़ी पर भी दिखाई दे रही थी।उनमे कुछ तो परिक्रमा पूरी कर चुके थे वही कुछ थक जाने के चलते बैठ गए।कुल मिलाकर चौदह कोसी परिक्रमा कर रहे परिक्रमार्थियों ने सोचा क्यों न थोड़ी देर आराम कर ले।कभी नाका हनुमान गढ़ी के सामने से गुजरने वाली सड़क पर काफी जाम लगा रहता था आज वही मार्ग चौदह कोसी परिक्रमा कर रहे श्रद्धालुओं के आराम करने करने की जगह बनी रही।

भाजपा प्रदेश मंत्री मीना चौबे बनी जिला प्रभारी

सुलतानपुर– भाजपा प्रदेश मंत्री मीना चौबे को जिला प्रभारी की जिम्मेदारी मिली है।मीना चौबे को जिला प्रभारी बनाए जाने पर पार्टी जिलाध्यक्ष डा.आरए वर्मा सहित पार्टीजनों ने बधाई देते हुए खुशी प्रकट की है।नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल, पार्टी प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी,जिला उपाध्यक्ष संजय सिंह त्रिलोकचन्दी,जिला पंचायत अध्यक्ष ऊषा सिंह, बल्दीराय ब्लाक प्रमुख शिवकुमार सिंह,घनश्याम चौहान,आनन्द द्विवेदी,ज्ञान प्रकाश जायसवाल,सुनील वर्मा,आशीष सिंह,रानू प्रदीप शुक्ल, मनोज मौर्या, राजेश सिंह,ब्लाक प्रमुख राजेन्द्र वर्मा आदि ने प्रदेश मंत्री मीना चौबे को जिला प्रभारी बनाए जाने पर बधाई दी है।रघुवंशी ने बताया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत भाजपा की प्रदेश मंत्री मीना चौबे को जिला प्रभारी बनाया है। वही जिला प्रभारी रहे शंकर गिरि को अमेठी की जिम्मेदारी दी गयी है।

बौद्धों के लिए भारत वैसा ही, जैसा मुस्लिमों के लिए मक्का

लखनऊ (संवाददाता) । पर्यटन विभाग की ओर से यूपी प्रेस क्लब में आयोजित बुद्धिष्ट कॉन्क्लेव में ब्रिटेन से आए पर्यटक वांगमो डिक्सी ने कहा कि बौद्धों के लिए भारत वैसा ही है, जैसा मुस्लिमों के लिए मक्का। भारत के कण–कण में सुख और शांति है। भारत दुनिया का सबसे खूबसूरत स्थान है जिसकी तुलना किसी देश से नहीं की जा सकती है।लाइट ऑफ बुद्ध धर्म फाउंडेशन व समन्वय सेवा संस्थान के संयुक्त सहयोग से यूपी प्रेस क्लब में आयोजित प्रेसवार्ता में डॉ. रिचर्ड डिक्सी ने बताया कि देश–विदेश से बौद्ध पर्यटक यूपी भ्रमण के लिए आ चुके हैं जो सोमवार व मंगलवार दो दिनों के लिए लखनऊ में बौद्ध पर्यटन स्थलों का भ्रमण करेंगे। सोमवार सुबह 6 बजे से शाम के 6 बजे तक पर्यटक भ्रमण करेंगे।

नगालैंड के गैंग का कई जिलों में फैला है नेटवर्क

लखनऊ (संवाददाता) । फर्जीवाड़ा कर दो शस्त्र लाइसेंस बनवाने के मामले में गिरफ्तार प्रॉपर्टी डीलर बृजेश कुमार वर्मा उर्फ टिल्लू से पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पता चला कि फर्जीवाड़ा कर शस्त्र लाइसेंस बनवाने वाले नगालैंड के गैंग का यूपी के कई जिलों में नेटवर्क है।

कुछ नए सहयोगियों की तलाश में अखिलेश यादव, हरियाणा की एक पार्टी आ सकती है साथ

लखनऊ (संवाददाता) । मध्य प्रदेश का चुनाव निपटते ही सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव इंडिया गठबंधन के नए सहयोगियों की तलाश में जुट गए हैं। उन्होंने रविवार को जींद में हरियाणा विकास पार्टी की संकल्प रैली में कहा कि इंडिया गठबंधन जीते और भाजपा को पीछे धकेल दे, इससे अच्छा और क्या हो सकता है। हरियाणा की धरती पर अग्निवीर के जरिये भाजपा ही उनके मुख्य निशाने पर रही। मध्य प्रदेश के चुनाव में अखिलेश ने इंडिया के मुख्य घटक दल कांग्रेस पर जमकर तीर चलाए थे। कहा था, भाजपा और कांग्रेस में कोई बुनियादी फर्क नहीं है। लेकिन, हरियाणा की रैली में उन्होंने भाजपा शासन में लाए गए तीन कृषि कानूनों को रद्द कराने में वहां के किसानों की भूमिका की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि हरियाणा जनसेवक पार्टी एक विकल्प के रूप में खड़ी होकर राज्य में सरकार बनाने में कामयाब होगी। जनसेवक पार्टी का झंडा भी लाल व हरा है और समाजवादियों का झंडा का रंग भी लाल व हरा है। इसलिए यह अपने जैसा ही दल है। इसे लोकसभा चुनाव के मद्देजनर गठबंधन में अन्य दलों को साथ लाने की सपा की कवायद के रूप में देखा जा रहा है।

इंस्पेक्टर विद्या सागर पाल के नेतृत्व में पचदेवरा पुलिस ने वारंटी अभियुक्त को किया गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। जनपद हरदोई में अपराध नियन्त्रण व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक हरदोई के कुशल निर्देश मे चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक (प०) के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी महोदय शाहाबाद के मार्ग दर्शन व प्रभारी निरीक्षक पचदेवरा के कुशल नेतृत्व में थाना पुलिस टीम द्वारा एक नफर वारन्टी अभियुक्त सागर उर्फ प्रेमसागर पुत्र बालकराम निवासी ग्राम लखनौर थाना पचदेवरा जनपद हरदोई को गिरफ्तार किया गया। इंस्पेक्टर विद्या सागर पाल ने बताया कि अभियुक्त उपरोक्त को सम्बन्धित माननीय न्यायालय हरदोई के समक्ष पेश कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक कुँवर सिंह,आरक्षी करन कुमार थाना पचदेवरा जनपद हरदोई शामिल रहे।

सीएम योगी और अखिलेश ने भारतीय क्रिकेट टीम के विश्वकप में प्रदर्शन को सराहा

लखनऊ (संवाददाता) । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्वकप जीतने पर आस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीम को बधाई देने के साथ भारतीय क्रिकेट टीम का अभिनंदन किया है। मुख्यमंत्री ने भारतीय टीम का अभिनंदन करते हुए कहा कि पूरी प्रतियोगिता में टीम ने उत्कृष्ट खेल भावना और शानदार प्रदर्शन से करोड़ों खेल प्रेमियों का मन जीतने का काम किया है।

कांग्रेस छोड़ दूसरे दलों में गए नेताओं की घर वापसी कराएगी पार्टी, तैयार हो रही है जिलेवार सूची

लखनऊ (संवाददाता) । कांग्रेस खोया हुआ जनाधार पाने के लिए बेताब है। पार्टी अब पुराने दिग्गज नेताओं के परिजनों को अपने साथ जोड़ने का काम करने जा रही है। उन्हें पुराने रिश्तों की दुहाई देकर अपने साथ जोड़ेगी। इसके तहत जिलेवार सूची तैयार की जा रही है। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने आरक्षण बढ़ाओ, संविधान बचाओ अभियान शुरू कर पिछड़ों एवं अति पिछड़ों पर डोरे डालना शुरू किया है। अल्पसंख्यकों के साथ दलित गौरव यात्रा शुरू की। अब पार्टी ने पुराने दिग्गज नेताओं के परिजनों को जोड़ने की रणनीति बनाई है। पिछले दिनों पूर्व सांसद रवि प्रकाश वर्मा, गयादीन अनुरागी, विनोद राय सहित अन्य पुराने नेताओं की कांग्रेस में वापसी हुई। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि हर जिले में पुराने दिग्गज कांग्रेस नेताओं के परिवार की सुध ली जाए। सियासत में सक्रिय रहे उनके परिजनों को कांग्रेस से जोड़ा जाए। इसी रणनीति के तहत जिलेवार सूची तैयार की जा रही है। इस सूची में शामिल पूर्वांचल के तीन पूर्व सांसदों के परिजन जल्द ही कांग्रेस का हाथ थामेंगे। पार्टी के रणनीतिकारों का कहना है कि दो से ढाई दशक पहले विभिन्न जिलों में कांग्रेस के तमाम दिग्गज नेता थे।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।